परमेश्वर का एकमात्र प्रदान किया गया आराधना का स्थान

शुभ प्रभात! आज सुबह यहां आकर खुशी हुई। और हम खुश हैं, विश्वास के इन पुराने गीतों के इर्द–गिर्द इस महान संगति का आनंद उठाते हुए। हम इससे प्रेम करते हैं। क्या आप नहीं करते? *आमीन* गायन झुण्ड। वो वही तो है, आमीन, देखो। उसके पास कहने के लिए अंतिम शब्द है।

2 मैं वहाँ बैठकर अपने पुराने मित्र, भाई ब्राउन से बात कर रहा था, जब गीत गाये जा रहे थे। और उसने कहा, "भाई ब्रंहम, मैं कल तक उस बात को कभी नहीं देखा था, आप जिस बारे में बात कर रहे हैं।" उसने कहा, "यदि लोग आप जिस बारे में बात कर रहे हैं उस बात को केवल पकड़ सकते हैं," कहा, "तो हर एक रूकावट रास्ते से हट जाएगी।" यह बिल्कुल सही बात है। ये सही है। यह बिल्कुल सही बात है। यदि आप इसे बस खींच सकते हैं, इसे पकड़ सकते हैं तो। देखा?

3 मेरे छोटे मित्र एर्नी फैंडलर से बात कर रहा था। मैं सोचता हूँ कि आप में से कुछ लोग जो जुड़े हुए है आपको एर्नी याद होंगे, कि वो किस तरह से परिवर्तित हुये थे, कैसे उसकी प्रभु की ओर अगुवाही की गयी थी। वे अच्छी अंग्रेजी नहीं बोलते है, नहीं तो मैं चाहता था कि वो आकर कुछ शब्द को बोले। और वह उसके इंग्लिश में *वी* और *डब्लू* सब मिश्रित कर देते हैं। वो मुझसे पूछ रहा थे कि क्या मुझे वो समय याद है, जो श्वानो में था, जहाँ वो रहते है। वो मनुष्य ठीक उसी सभा में मर गया, अपनी जगह पर मरा हुआ गिर गया, वो लूथरन था। हम हर एक जन चुप थे। उस पर प्रभु के वचन को बोला, वो जीवित हो गया, और सीधे प्रतिक्रिया पर वापस आ गया। हूँ–हुम। वे उस पर कभी भी नहीं पहुँच सके, वे चाहते हैं कि हम फिर से वापस आएं।

4 और मैं समझता हूँ, कि इस प्रातः, फ्रान्स में दो हज़ार से भी ज्यादा फ्रांसिसी, फ्रांस में बहुत दिनों से उपवास में है, कि हम आएंगे और फ्रांस के

लिए संदेश लायेंगे, फ्रांस में, सारा प्रोटेसन्टेट राष्ट्र, फ्रान्स देश का प्रोटेस्टेन्ट वाला भाग। और इसलिए हम...

5 ये अब खिलना आरंभ हुआ है, अब आरंभ होने लगा है, भूसी हट रही है ताकि गेहूं के दाने को वहां अब रखा जा सके। समझे? इसलिए बस अब आदरपूर्वक रहे, प्रार्थना करते रहे। समझे? याद रहे, "वे जो प्रभु पर भरोसा करते हैं, अपनी सामर्थ को नया करते है।"

6 अब, वहां... मैं... बुढा हो रहा हूं, और मैंने सोचा, "मैं... क्या दूसरी बेदारी होगी, मैं किसी और समय देखुंगा? " और बस याद रखे, पश्चिम से सफेद घोड़े का सवार आएगा। और हम इस मार्ग पर फिर से चलेंगे। ये ठीक बात है। जल्द ही जैसे ही हम तैयार हो जाते हैं। यह एक प्रतिज्ञा है, आप देखिए।

7 अब, मैं भाई लियो से कहना चाहता हूं... मैं पिछली रात्रि भाई वुड के विषय में बातें कर रहा था, उसका भाई यहाँ है। भाई लिओ, यदि आप और वह छोटा झुण्ड जो इस सुबह संचार व्यवस्था के द्वारा जुड़े हुए है; बहन मर्सिएर, आपके पिता यहां पर है। मैंने उन्हें पिछली रात को देखा था। वे यहीं कहीं तो इस भवन में है और वे बहुत अच्छे दिखाई पड़ते है, और बढ़िया है।

8 वो प्रातः जब वे आराधनालय में चंगे हुए थे, वहां दो बहुत बड़े कैसर के मामले थे, वे असल में मर रहे थे, और वे दोनों ही चंगे हो गए। और उनके बूढ़े पिता, ह्रदय घात में थे, परमेश्वर की महिमा के लिए बाहर लाए गए। और वो यहां कहीं तो सभा में बैठे हुए है। मैं उन्हें अब भीड़ में नहीं देख सकता, लेकीन पिछली रात्रि वे यहां पर थे।

9 आप सबको शुभकामनाएं जो सारे राष्ट्र में से है; यहां इस शानदार स्थान में, यहां के लाइफ टेबरनिकल, श्रीवपोर्ट में, संडे स्कूल के लिए खचाखच भीड़ के साथ। आप जानते है, यदि मैं श्रीवपोर्ट में रहा हूं, ना ही किसी के विरोध में कुछ भी कहता हूं, लेकीन यही वह स्थान होगा, ठीक यहां लाइफ टेबरनेकल के अराधनालय में आना चाहूंगा। यह कोई संप्रदाय नहीं है। द लाइफ टेबरनेकल, आज, एक अंतरसंप्रदायी आराधनालय है। वे संप्रदाय से बाहर निकल कर आए है, क्योंकि उन्होंने मुझे स्वीकार किया है और इस सन्देश को जो मैं प्रचार करता हूं। भाई जैक मूर, मेरे भाई और मित्र, उन्हें संप्रदाय में से बाहर निकाला गया क्योंकि वे मुझसे जुड़े हुए है। और

इसलिए मैं सोचता हूँ इसका श्रेय उनको जाता है। ये ठीक बात है। परमेश्वर उन्हें आशीष दे। और वे उनके हाथों को प्रार्थना में उठाएं रखते है, और उनके साथ विश्वास रखते हैं।

10 और अब बहन मूर, मैं उन्हें कहीं भी नहीं देख पा रहा हूं, वो, हां, यहां पीछे है, वो आज वहां बैठी हुई छोटी लड़की सी दिखाई पड़ रही थी, पूरी तरह से तैयार, इसमें, ईस्टर की वेशभूषा जैसी दिखाई पड़ती है। और ये ऐसे दिखाई पड़ती है... भाई जैक भी उन्हें स्वयं भी नहीं पहचान पाए। अब, अब बहन मूर!

11 निश्चय ही हम कुमारी अन्ना जीन और डॉन और उन सभी की कमी को महसूस करते है। भाई नोलान से मिलकर प्रसन्न है... यहां एक जो हमसे जुड़े हुए हैं।

12 और भाई एर्नी, मैंने कल उनसे पूछा क्या वो उस*आमीन* गीत को गायेंगे। मैंने इसे रिकॉर्ड कर लिया है, और मैं बस इस चीज को सुन कर दंग रह गया, *आमीन।* मैं सोचता हूं उसकी आवाज इसके लिए ही है; किसी को भी पीछे कर देंगे। और छोटी जुड़ी, मैंने बहन को ध्यान दिया; वे दो, वे भाई और बहन के जैसे लगते है। क्या नहीं लगते? वे पति और पत्नी है। उन दोनों की ओर देखें, देखो, क्योंकि वे बिल्कुल ठीक एक से दिखाई पड़ते है। देखा? वे वास्तव में एक सुंदर जोड़ा है। यही, आप जानते हैं, यही है... भाई पामर जिन्होंने हाल ही में सोने की सीढ़ी चढ़ी है, ये उनकी पुत्री और दामाद है। और ये... निश्चय ही उनके बालक को प्रशिक्षित करने में बहन का योगदान है। और दूसरो ने भी पाया, विवाहित सेवकों ने भी, और ये सुसमाचार फ़ैलाने वाले है और उनके कार्य क्षेत्र, और अन्य में। सो ये बहुत ही अच्छा है।

13 मैंने बहन पामर को नहीं देखा। वास्तव में, मैं नहीं जानता कि मैं क्या बहन को पहचान पाऊंगा या नहीं यदि में उनको देखूं तो। वो संभव है यही कही पर है, (अवश्य ही) इस सभा में पीछे, वहां पीछे; बहन पामर परमेश्वर आपको आशीष दे।

14 मेरा ह्रदय धड़कता है जब मैं इस पर सोचता हूं। भाई पामर सीढ़ियों पर चढ़े थे, लेकिन कुछ ही मिनटों में, जब तक कि मुझे यह संदेश नहीं मिला कि वह जा चुके हैं। मैं बस इसका विश्वास नहीं कर सका। बिली ने मुझे फोन किया और किसी ने पकड़े रखा... और वे जानते थे। हम

बहुत ही अच्छे मित्र थे, और ये जानकर कि वे जा चुके है, यह वास्तव में हिलाने वाली बात थी। लेकीन हम सभी को जाना है, कोई फर्क नही पड़ता कि हम कौन है, हमें अवश्य ही एक–एक करके जाना है। लेकीन केवल एक बात है, "आइये हम सारे मामले के अंजाम को सुने: परमेश्वर से डरे और उसकी आज्ञाओं को माने, क्योंकि मनुष्य का यही पूरा कर्तव्य है," सभोपदेशक 12।

15 अब, मेरे पास संडे स्कूल के विषय के लिए बहुत अधिक समय नहीं है, और मेरा गला खराब है।

16 बताया गया, भाई पेरी ग्रीन ने शानदार काम को किया है। पिछली रात्रि, उसने मुझे कहते सुना, "मैंने अपनी बालों वाली टोपी को भूल गया जो मुझे... " उसने वहां फोन किया और कोशिश की कोई तो मेरे लिए दौड़कर जल्दी से लेकर आए। मैंने कहा, "आपने बहुत देर कर दी है, मेरा गला खराब हो चूका है।" मैंने कुछ समाधान खोजने के लिए वर्षों तक प्रयास किया, लेकीन जब मुझे ये टोपी मिली, इसने इसे ठीक कर दिया। लेकीन इस बार मैं इसे भूल गया, इसलिए मेरा गला थोड़ा खराब है। सो मुझे आप बोलने में सहन करना, यदि आप करें तो।

17 अब, कितने लोग सन्डे स्कूल को पसन्द करते है? ओह, प्रभु, ये ठीक बात है। ये अच्छी बात है कि आप अपने बच्चो को भेजते है। नहीं, मुझे इसे सही करने दे की एक अच्छी बात की अपने बालकों को *लाए*। ये ठीक बात है, अपने बालकों को लाते है; आप भी आते है। कितने जानते हैं कि किस तरह से पहले हमारा संडे स्कूल आरम्भ हुआ था? यह कहां से आरम्भ हुआ था? इंग्लैंड से। पहले ये क्या कहलाया? *रागेड स्कूल*। यह ठीक बात है "चिथड़ा हुआ स्कूल" कहलाया। जैसे कि मैं उस व्यक्ति का नाम भूल गया हूँ जिसने इसे स्थापित किया। उसका क्या नाम था? [कोई कहता है, "रोबर्ट रैकेस।"—सम्पा।] ये सही है, ये बिल्कुल ठीक है। और वो उन गलियों से छोटे–छोटे बालकों को लेता (वे जो चिथडे–फटे कपडे पहने हुए थे, और उनके पास जाने के लिए कोई स्थान नहीं था, और बहुत खराब), वह उन्हें लेकर आया और उन्हें बाईबल के पाठ को पढ़ाना आरंभ किया। और ये बढ़ते–बढ़ते कलीसिया की एक महानतम व्यवस्था बन गया है, लगभग आज, सन्डे स्कूल का। इसमें जाना अच्छा है। निश्चय ही आए, अपने बालकों को लेकर आये। मैं सोचता हूं यहाँ आराधनालय के

पास शिक्षक है, साज–सामान सहित कमरे है, आयु वाले, और इत्यादि। और आप जो नये परिवर्तन हुए लोग है जो अभी मसीह के पास आए है, ठीक संदेश के साथ–साथ चले; यहां लाइफ आराधनालय में आए, और वे आपका भला करेंगे।

18 अब, आज रात्रि हम पुराने रीति की प्रार्थना की पंक्ति को लेंगे। हम बस अब बीमारों के लिए प्रार्थना करने जा रहे हैं जैसे हम करते आये है, भाई जैक और भाई ब्राउन।

19 मुझे याद है भाई ब्राउन को देखते हुए जो उन प्रार्थना के कार्ड को देने का कोशिश करते थे, और किस तरह से स्वयं एक सेवक होने के नाते, और उन दिनों में, एक संस्था में वे भाई पर जोर डालते होंगे, आप समझते होंगे, "मैं—मैं इस बात में आपका भाई हूं," आप जानते है, "आपको मुझे वहां ऊपर लेकर जाना है।" ओह, निश्चित ही उनका कठिन समय था लेकीन जितने सच्चे हो सकते थे वे सच्चे थे। भाई ब्राउन एक अच्छे व्यक्ति है। और इसलिए हम उनसे प्रेम करते है।

20 और जैसा मैं हममें से सभी को देखता हूं, हम तीनों, बूढी अवस्था की ओर बढ़ रहे है, अंत की ओर। ये बहुत दु:ख की बात होगी यदि हम महान बातो को अपने अन्दर स्थान ना दे, जो कि हम जानते हैं वे सत्य बातें है। हम इन्ही किन्ही दिनों में वापस जाने के लिए तैयार है, वापस अपनी युवावस्था में फिर से, कि कभी नहीं... हमारी देह बदल गई होगी, उसकी समानता में बनाये गये, खड़े होने के लिए। "क्योंकि जब ये पृथ्वी का हमारा डेरा गिराया जाएगा तो वहां एक पहले ही प्रतीक्षा कर रहा है।"

21 प्रिय मित्रों, इसका ये धन्यवाद देने वाला भाग है कि प्रिय प्रभु यीशु... आप जो मुझ पर भरोसा करते है आपको सत्य बताता हूं; कि प्रिय प्रभु यीशु ने एक प्रात: लगभग आठ बजे, मुझे उस देश को दिखाया। अब, ये—ये दर्शन नहीं था; लेकीन मैं इसे नहीं कहना चाहता। ये जो भी था, यह उतना ही वास्तविक था जितना अभी मैं यहां आप से बोल रहा हूं। अब, मैंने उन लोगों के चेहरो देखा है, और मैं उन्हें पहचान सकता था, वे फिर से वापस युवा हो गए थे। वे बस उतने ही वास्तविक थे जैसे... मैंने उनके हाथ पकडे और इत्यादि। बस उतने ही वास्तविक...

22 और इसमें मेरी सहायता की, क्योंकि मेरा हमेशा अपना विचार हुआ करता था: जब एक व्यक्ति मर जाता है, तो उनका प्राण निकल जाता है।

लेकीन जब उसने मुझे इसका उल्लेख किया कि "यदि यह पृथ्वी का डेरा, हमारा सरिखा रहने का स्थान... तो हमारे पास एक और है।" समझे? और हमारे पास हर चीज तीन में है, एक सिद्धता को बनाने के लिए। समझे? और यहां पर एक देह है, फिर एक देह वहां है, जो कि ये—ये स्वर्गीय देह है, और फिर पुनरुत्थान में महिमामय देह होगी। देखिये, ये इसे पूरा करता है। समझे? इसलिए ये... ये कोई काल्पनिक नहीं है, ये कोई एक विचार नहीं है, यह कोई आत्मा नहीं है। यह एक स्त्री और एक पुरुष होती है बिलकुल ठीक जैसे आप है।

23 और फिर, वर्षो पहले, मैंने नष्ट हुओं का क्षेत्र देखा, और वहां पर था। मित्रो, मैं आपको बताता हूं, एक बूढे मनुष्य के नाई, मैं आपको इसे समझा दू, राष्ट्र में इस प्रातः हर कहीं, मैं उस स्थान को कभी नहीं देखना चाहता। बिल्कुल कोई भी तरीका नहीं है कि मैं कर सकूं... यदि मैं ब्रश को लिए हुए एक कलाकार होता मैं तस्वीर को नहीं रंग सकता। एक सेवक के नाई, मैं आपको वर्णन नहीं कर सकता। अधोलोक के विषय में बात करते हुए जो एक जलता हुआ स्थान है, ये उससे लाखो गुना और भी बुरा होता है वो भयानकता जो उसमें होती है।

24 और स्वर्ग... या ये स्थान, जहां कही ये था, मैं नहीं जानता उसे क्या कहूं। उसने इसका उल्लेख वहां "प्राण वेदी के नीचे" के सामान किया। लेकीन जब ऐसा था, मैंने कभी नहीं... कोई तरीका नहीं है कि इसकी व्याख्या करूँ कि कितना महान है। वहां... अब आपको केवल मेरे शब्द लेने होंगे, मैं बस एक मनुष्य ही हूँ। समझे? लेकीन ये दर्शन जो हमेशा ही पुरे हुए है बिल्कुल वैसे ही जैसा मैंने आपको बताया है, और आप जानते हैं उनमें से प्रत्येक वास्तविक था, *यह* भी सत्य है। आप जो भी करते है, यदि आप बाकी हर एक चीज को खो देते है (स्वास्थ, शक्ति, आपकी दृष्टि, या जो भी है), उसे ना खोये। उसके साथ किसी की भी तुलना नहीं सकते है। ये... वहां—वहां इंग्लिश भाषा में कोई शब्द नहीं है, जो मैं जानता हूं जिससे कि उसे व्यक्त करूँ। यदि मैं कहूँ "सिद्ध" तो ये उससे भी बढ़कर है; "बहुत शानदार," यह—यह उससे बढ़कर; "उत्तम,"... वहां—वहां कोई शब्द नहीं जो मैं जानता हूँ जिससे कि इसे प्रगट कर सकूँ, क्योंकि ये इतना... और फिर, ये सोच कर, कि ये अभी इसका अन्त नहीं है। मैंने सोचा, "मैं डरा हुआ हूं कि इस पर आऊं? "

25 मैंने कहा, "क्या आप खाते हैं? "

26 कहा, "यहां पर नहीं। हम यहां नहीं खाते, लेकीन जब हम धरती पर वापस जाएंगे हम देह को पाएंगे जिसमें हम खाएंगे।"

27 अच्छा, मैं उन्हें महसूस कर सकता हूँ। वे बस *ऐसे* ही थे। समझे? और वे... मैंने कहा, "अच्छा, आपके पास... " ओह, जी हां, उनके पास एक देह है। ये बस ना ही काल्पनिक है, ये एक देह है। हम एक दूसरे को जानते है। वे सब मुझे जानते थे, मुझसे गले लग रहे थे, उनमें से लाखों।

28 और मैंने कहा, "तो ठीक है, मैं उससे मिलना चाहता हूं जिसने मुझे यहां लाया है।"

29 उसने कहा, "आप उसे अभी नहीं देख सकते, आपको प्रतीक्षा करनी होगी।"

30 मैंने कहा, "क्यों आपने मुझे यहां ऊपर रखा... यहां ऊपर? "

31 कहा, "आप जीवन में अगुवे रहे थे।"

32 और मैंने कहा, "आपका अर्थ है ये सब ब्रंहम है? "

33 उसने कहा, "नहीं! ये सब तुम्हारे मसीह में परिवर्तित हुए लोग है।" समझे?

34 मैंने चारो ओर देखा, और फिर सारी कठिन रात्रियां, परीक्षाएं टल गई, जब मैं उनके चेहरों को देख पाया था। एक युवा महिला दौड़ कर वहां पहुंची, महिलाओ में से एक बहुत सुंदर महिला, और उसने अपने हाथ मेरे चारों ओर डाला, और कहा, "बहुमूल्य भाई।" और जब वह वहां से गुजरी... अब, वह एक महिला थी। सो... लेकीन वहां, वहां कभी भी पाप नहीं होगा। देखो, वहां हमारी ग्रंथियां बदल जाती है। वहां अब और बच्चो को बढ़ाना नहीं होंगा। समझे? देखा, सब एक से।

35 क्या अंतर होता है, संवेदना या उत्तेजना। यही कारण है मैं फर्श पर नाचने में विश्वास नहीं करता। ना ही कोई मनुष्य... मैं, परमेश्वर और मेरी बाईबल के सामने, मैं पवित्र रहा हूं, अपने सारे जीवन में से होते हुए जब मैं छोटा सा लड़का था, अपनी सारी युवाअवस्था में से होते हुए। कोई भी लड़की जिसके साथ, मैं कभी बाहर गया हूं तो मैं उसके पीछे साथ–साथ न्याय तक जा सकता हूं। समझे? लेकीन वहां कोई पुरुष नहीं है, मैं चिंता नहीं करता कि आप कौन हैं, एक स्त्री (एक स्त्री के रूप में) अपने आप को

उसे नजदीक से गले लगाने दे सकता है; यदि आप सही स्वस्थ व्यक्ति है, तो आपको उत्तेजना होगी। लेकिन ये वहां पर ऐसा नहीं होता है; वहां कोई ग्रन्थियां नहीं होती है। आपकी सब की एक सी ग्रन्थियां होती है। समझे? बस पवित्र, बिना मिलावट का, बहन और भाई का प्रेम, आपके लिए इससे भी अधिक होगा... यहां तक कि आपके... अपनी छोटी पुत्री को भी गले लगाने से। समझे? आपकी अपनी पुत्री, तो भी वह बनी है... वह स्त्री है और आप पुरुष है। देखो, ये कुछ तो उत्पन्न कर सकता है; लेकीन ये वहां पर नहीं कर सकता, पाप ख़त्म हुआ है, समाप्त हो गया है। समझे? वास्तव में... वास्तविक, पवित्र प्रेम।

36 मैंने उस महिला की ओर देखा। वहां... ऐसा प्रतीत हुआ वे वहां लाखो है, और उन सब के लंबे बाल है, और नीचे तक सफ़ेद वस्त्र। और—और ये एक जो मुझसे बातें कर रहा था, बोला, "तुम इसे नहीं पहचानते? "

37 मैंने कहा, "नहीं।"

38 कहा, "वो अपने नब्बे के दशक में थी जब आपने उसकी मसीह की ओर अगुवाई की।"

39 "अद्भुत अनुग्रह, कितना मधुर दिखाई पड़ता है।" समझे? कभी भी कोई जरिया नहीं है कि इसकी व्याख्या की जाये कि ये क्या है। यदि आप मुझ पर विश्वास करते है, तो बस मेरे शब्द को ले ले। निश्चित कर ले... आपके पीछे संसार के हर एक पूल को जला दे।

40 मैं विश्वास करता हूं कि कलीसिया ने संदेश सुनना आरंभ कर दिया है, और उसे समझना आरंभ कर दिया है। लेकीन, मित्रों, सुनो, हमें पुत्र की उपस्थिति में रहना है, हमें पककर तैयार होना है। हमारा—हमारा विश्वास पकवता में नहीं आया है। बुद्धि से हम संदेश को सुन रहे है, जो परमेश्वर ने हमें दिया है, उन चिन्हों को देखते हुए जो उसने हमें दिखाएं है, और इसे बाईबल के द्वारा सिद्ध किया है कि ये वहां पर है, लेकीन, ओह, कलीसिया के लिए इस बात की कितनी आवश्यकता है कि उसकी उपस्थिति में पड़ी रहे जब तक कि ये कोमल ना हो जाए, आप जानते है, और ये आत्मा में मधुर कर देता है जिससे कि ये साफ़ हो सके। कभी–कभी संदेश में बोलते हुए, आप रूखे हो जाते है, आपको इस प्रकार से तोड़ना पड़ता हैं, क्योंकि आपको कील को मोडना होता है ताकि इसे पकड़ सके। लेकीन जब कलीसिया एक बार इसे पकड़ लेती है, तो चुने हुए को बाहर बुला लेते

है और अलग हो जाते है, उसके बाद परमेश्वर की उपस्थिति में होते है, मैं जानता हूं ये कुछ तो होगा जैसे कि वे लोग जो वहां पर थे जब इसे रेपचर में उठा लेता है।

41 इस प्रातः में *रेपचर* पर बोलने जा रहा था, लेकिन बोलने के लिए मेरे पास पर्याप्त आवाज़ नहीं है, और इसलिए थोड़े समय के लिए मुझे सहन करें। जिस पर मैं बोलना चाहता हूं उसका विषय है: *परमेश्वर का एकमात्र प्रदान किया गया आराधना का स्थान।*

42 अब, ये बड़ा महान विषय है। तो आइये अब हम प्रार्थना करें। और सारे राष्ट्र में इस प्रातः, आप जहां कहीं भी है, बस कुछ क्षणों के लिए अपने सिरों को झुकाये। अब वास्तविक सच्चे होकर, हम परमेश्वर के वचन पर आ रहे हैं, जो परमेश्वर अक्षर के रूप में है।

43 इस किताब का महान लेखक, "ये एक बीज है," हमें सिखाया गया, "कि बोने वाले ने बोया," ऐसा लेखक ने कहा। अब, हम ये अनुभव करते हैं कि बीज बढ़ेगा यदि वो सही प्रकार की भूमि में है। इसलिए, पिता, क्या आप इस प्रात: सारे रूकावटे और कांटे निकाल देंगे, और अविश्वास, और संदेह वाले विचार, हमारे ह्रदय से निकाल देंगे; जिससे कि परमेश्वर का वचन स्वतंत्रता से बढ़ सके, हमारे हृदय में आत्मा के द्वारा पानी को डाला जाये, जिससे कि हम परमेश्वर के लोग बन सके। पिता, इसे प्रदान करें। यही हमारे ह्रदय है। केवल हम ही नहीं जिसने इसे पहचाना है, लेकिन होने पाये वहां समस्त राष्ट्र में दूसरे भी हो, प्रत्येक का ह्रदय प्रेम और कोमलता से जल रहा हो, कि वे जाकर उन खोये हुए भाई, बहनों को जीत ले। आज इसे प्रदान करें, परमेश्वर। हम संपूर्ण रीति से आप की ओर ताक रहे हैं क्योंकि आप हमारे मार्गदर्शक और हमारे प्रभु है। सो हम प्रार्थना करते हैं आप आज अपने वचन में हमारी अगुवाई करेंगे, और हमें अपनी आशीषे देंगे। आपके अनुग्रह में होते हुए और आपके नाम में हम इसे मांगते है। आमीन।

44 अब हम अपने विषय के लिए लेते हैं... मैं व्यवस्थाविवरण की किताब में से पढ़ना चाहता हूं, पुराना नियम, पवित्र वचन को व्यवस्थित करने हेतु। मेरे पास कुछ लेख है भाई वायल के साथ नाश्ता करने के पश्चात, मैंने इसे जल्दी–जल्दी लिखा है।

45 मैं वहां उस होटल पर उस व्यक्ति को कभी धन्यवाद नहीं दे पाया... उस रात को उस रेस्टोरेंट में, जिसने हमारे—हमारे रात्रि भोज का भुगतान किया। पत्नी और मैं और मेरी छोटी लड़की वहां पर थे और जब मैं अपना भुगतान करने गया, किसी ने भोजन का भुगतान कर दिया था। ये जो कोई भी था, मैं आपको धन्यवाद देता हूं। कहा, "वह व्यक्ति जो कुर्सी के अंत में पर बैठा है।" निश्चय ही वहां पर पूरा झुण्ड था जिसे हम जानते है। अब, मैं... किसी प्रकार का किकापो नामक, कुछ ऐसी ही, यहां पर जगह है वह भोजनालय जहां हम गए थे। आपका धन्यवाद, जिस किसी ने भी भुगतान किया है। आप में से प्रत्येक को, परमेश्वर आशीष दे।

46 अब, व्यवस्थाविवरण के 16 अध्याय में, ये पर्व का स्मरण करना है। सो हम पहले कुछ पदो को पढ़ना चाहते हैं, पहले चार या पांच, छ: पद यहां पर।

> *आबीब के महीने को स्मरण करके और फसह का पर्व्व मानना...* (जिसका अर्थ होता है, "अप्रैल।")... *परमेश्वर यहोवा के लिये: क्योकि* इस *आबीब महीने में तेरा परमेश्वर यहोवा रात को तुझे मिस्र से निकाल लाया।*
>
> *इसलिए वही अपने परमेश्वर यहोवा के लिये फसह करके बलि करना, भेड़–बकरियों और गाय–बैल की, जिसे स्थान यहोवा अपने नाम का निवास ठहराने को चुन लेगा...*
>
> *उसके* संग तू *कोई* खमीरी *वस्तु न खाना; सात दिन तक अखमीरी रोटी जो दु:ख की रोटी— रोटी खाया करना,... क्योंकि तू मिस्र देश से उतावली करके निकला था; ... इसी रीति से तुझ को मिस्र देश से निकलने का उस—उस दिन को जीवन भर स्मरण रहेगा।*
>
> *और वहां... सात दिन तक तेरे सारे देश में तेरे पास कहीं* खमीर की *रोटी देखने में भी न आए; और जो पशु तू पहिले दिन की* संध्या *को* बलि *करे उसके मांस में से कुछ, सारे रात में से होते हुए बिहान तक रहने न पाए।*
>
> *फसह को अपने किसी फाटक के भीतर, जिसे तेरा परमेश्वर यहोवा तुझे दे बलि न करना।*

लेकिन जो स्थान तेरा परमेश्वर यहोवा अपने नाम का निवास करने के लिये चुन *ले, केवल वहीं फसह का पशुबलि करना, अर्थात सूरज डूबने पर* संध्याकाल *को, वर्ष के उसी समय जिस में तू मिस्र से निकला था।*

अब होने पाए प्रभु अपनी आशीषो को उसके वचन पढ़े जाने पर दे।

47 अब क्या माईक में आवाज़ हो रही है? पिछली रात्रि मैंने सुना ऐसा था। क्या आप ठीक से सुन सकते हैं, हर कहीं पर? आप नहीं सुन सकते है। [भाई ब्रन्हम माईक ठीक करते हैं—सम्पा।] क्या यह ठीक है? क्या ये ज्यादा ठीक है, इस तरह से माईक को नीचे करके बोल रहा हूँ? मेरा गला भी थोड़ा खरखरा रहा है, इसी उद्देश्य से मैं इस प्रात: इसके नजदीक खड़ा हूं, और मैं आशा करता हूं कि भाई पैरी वहां बाहर सुन सकते—सकते है। क्या आप इसे सुन सकते हैं अब ठीक है? मैं सोचता हूं उन्होंने इसे ठीक किया है। तो ठीक है।

48 अब, वो... वो बात जिस विषय में मैं इस प्रातः बोलना चाहता हूं, वो ये है कि परमेश्वर का केवल एक स्थान है जहां आराधना करने वाले परमेश्वर से भेंट कर सकते है, केवल एक स्थान। युगों में से से होते हुए बहुतों ने परमेश्वर के इस गुप्त स्थान को ढूंढा, सारे युगों में से से होते हुए। यहां तक कि अय्यूब ने भी जानना चाहा जहां पर वो रहा, "यदि मैं उसके घर को जा पाऊं और उसके द्वार को खटखटाऊ।" अय्यूब परमेश्वर का निवास स्थान खोजना चाहता था, क्योंकि वहां परमेश्वर और उसके परिवार ने एक साथ आराधना की।

49 जैसे कि कल, कल प्रातः के संदेश में, हमने पाया कि संभव है एक व्यक्ति परमेश्वर की आराधना व्यर्थ में करें, सच्ची आराधना के साथ। परमेश्वर ने ये सब हमारे लिए तय कर दिया है, लेकीन बात ये है हमें ये खोजना है कि वे कहां है। पौलूस ने तीमुथियुस को बताया कि ढूंढे, और समय और असमय में—में, कुछ—कुछ—कुछ वचन प्रचार करने के लिए तैयार रहें या... वह आशा जो उसके अंदर थी।

50 अब, ये सारी बातें वहां पर है। और हम पाते है... कभी–कभी मैं श्रीवपोर्ट आना चाहता हूं जहां हमारे पास बस लगभग दो या तीन सप्ताह हो बस एक रात को तीस मिनट लेने के लिए और बस इस पर शिक्षा दे, देखो, बस ठीक वचन में बने रहे, ये गुप्त लेखांश, देखो जहां हम ढूंढ सकते है कि

इसमें कैसे जाए। और आप बस ध्यान दें, आप परमेश्वर के निर्देशन का पालन करे, वहां केवल हर एक दरवाजे की एक ही चाबी है। यह ठीक बात है। और कोई दूसरी चाबी नहीं, कोई मतलब नहीं कितनी समान दिखती है, परमेश्वर के पास कोई ऐसी खांचे की चाबी नहीं; बस एक चाबी। और अब, और आपको वही चाबी लेनी है, या तो फिर दरवाजा नहीं खुलेगा। कोई मतलब नहीं आप कितने सच्चे है, आप फिर भी दरवाजा नहीं खोल सकते है।

51 अब, कितने लोग कल के नाश्ते पर थे, उस सुबह? तो ठीक है, मैं सोचता हूँ अधिकांश लोग थे, आपमें से कम से कम नब्बे प्रतिशत, या अधिक। इसके बुनियाद के लिए, जो मैं कहने जा रहा हूं दाऊद अभिषिक्त राजा था (परमेश्वर से अभिषिक्त), वो सबसे महान राजा जो कभी इस्त्राईल में हुआ, सिवाये यीशु को छोड़ (जो की परमेश्वर है) वो एक अभिषिक्त। दाऊद उसका पुत्र है, मतलब, यीशु दाऊद का पुत्र था वंशावली के आधार पर, शरीर में। और उसे दाऊद के सिंहासन पर बैठना है एक वारिस होने के नाई, जैसे वो—वो राजकुमार हमेशा वारिस होते है, उस—उस राजा के सिंहासन के।

52 अब, ध्यान दें, वो दाऊद अभिषिक्त होते हुए, फिर भी उस अभिषेक के साथ उसने इसे किया, वह परमेश्वर की इच्छा से बाहर चला गया; और सारे लोग, पवित्र वचन की लीक को ना लेते हुए या इस प्रकाशन की चाबी, वे सब भी अभिषिक्त थे, वे सब, एक साथ, चिल्ला रहे थे और परमेश्वर की महिमा कर रहे थे उस चीज के लिए जो बिल्कुल ठीक दिखाई दी: परमेश्वर के घर में, परमेश्वर का वचन को वापस लाने के लिए। लेकीन दाऊद राजा था, ना की भविष्यवक्ता। समझे? वो... इसे करने के लिए देश में वहां एक भविष्यवक्ता था, और परमेश्वर ने सारे अभियान को अस्वीकृति किया क्योंकि उन्होंने कभी सही चाबी का प्रयोग नहीं किया। दरवाजा नहीं खुला। और अब हमें यह अवश्य ही याद रखना चाहिए और दिमाग में इसे रखना चाहिए। वहां... परमेश्वर की हर चीज, उसे एक निश्चित विधि से किया गया, और इससे बात ख़त्म हो जाती है। अब, वहां परमेश्वर की एक ठहराई हुई कलीसिया है जहाँ वो लोगों से भेंट करता है, और वो उसी कलीसिया में आपको ग्रहण करेगा और ना ही दूसरी कलीसिया में।

53 मैंने ये इसलिए कहा है क्योंकि मुझे बहुत बार गलत समझा गया है, और लोगों ने मुझे बताया...

मैं कहता हूं, "क्या आप एक मसीही है? "

"मैं बैपटिस्ट हूं।"

"क्या आप एक मसीही है? "

"मैं मैथोडिस्ट हूं।"

"क्या आप एक मसीही हैं? "

"मैं एक पेंटीकोस्टल हूं।"

54 अब, देखिए, परमेश्वर को इससे कोई लेना–देना नहीं है। आप गलत चाबी को डाल कर घुमा रहे है। लेकीन वहां एक सही चाबी है, वहां एक है जहां पर परमेश्वर... परमेश्वर ने आपसे मैथोडिस्ट की नाई भेंट करने की प्रतिज्ञा कभी नहीं की, या एक बैपटिस्ट नाई, या पेंटीकोस्टल या किसी और संप्रदाय। वो तो यहाँ तक संप्रदायो के लिए विचार भी नहीं करता, वे उसके विरोध में है।

55 उस लंबे संदेश में, मैं इस बात को बहुत ही जल्द आराधनालय में लुंगा। और फिर भाई जैक इसे सुनेगे, और तब आप देख सकते हैं कि आप इस विषय में क्या करना चाहते है क्योंकि ये टेप किए जायेगे।

56 अब, लोग इस प्रकार से व्यवहार करते हैं कि परमेश्वर उनके धर्म ज्ञान के आधार पर बस उनसे भेंट करने के लिए बाध्य है। अब, लोग ऐसा व्यवहार करते है। वे यहाँ तक एक दूसरे से संबंध भी नहीं रखना चाहते। ट्रिनिटी पेंटीकोस्टल वाले वननेस के साथ नहीं जुड़ेंगे, ना ही वननेस वाले ट्रिनिटी वालों से जुड़ेंगे। मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट के साथ नहीं जुड़ेंगे, क्योंकि एक विधिवादी है और दूसरा केलविनवादी, इसलिए उनकी बिल्कुल कोई संगति नहीं है। और वे लोगों के दिमाग को इतनी बुरी तरह से घूमा देते है कि वे यहाँ तक एक दूसरे के विरोधी ही हो जाते है।

57 कुछ समय पहले मैं अस्पताल के कमरे में प्रार्थना करने के लिए गया। वहां एक महिला बहुत बीमार पड़ी हुई थी, उसका ऑपरेशन होने जा रहा था, उन्होंने उसकी मरने की अपेक्षा की थी। दूसरी महिला वहां लेटी हुई थी (मुझे उसके लिए प्रार्थना करने को बुलाया गया था।), मैंने उससे

कहा, "यदि इनके लिए मैं कुछ देर के लिए प्रार्थना करूं तो क्या आपको आपत्ति होगी? "

58 और उस महिला ने कहा, "उस पर्दे को खींच दो!"

59 और मैंने कहा, "मुझे क्षमा करे।" मैंने कहा, "मैं प्रार्थना के लिए आपसे पुछ रहा था।"

60 उसने कहा, "उस परदे को खींच दो!"

61 मैंने कहा, "जी हां, महिला।" वो और उसका पुत्र वहां बैठे हुए थे, एक सामान्य छोटा सा*फैशन* करने वाला। और मैंने कहा, "अच्छा, क्या आप एक मसीही नहीं है? "

62 उसने कहा, "हम तो मेथाडिस्ट है!"

63 कहां, "मैंने आपसे ये कभी नहीं पूछा, मैंने आप पूछा, क्या आप एक 'मसीही है।'" समझे?

64 और तो उस महिला ने कहा, "उस पर्दे को खींच दो!"

65 देखिए, इसलिए कोई तो जो एक मैथोडिस्ट नहीं था उस मरती हुई महिला के लिए प्रार्थना करने के प्रस्ताव को रख रहा था, जैसे कि वह भी मैथोडिस्ट थी। लेकीन क्योंकि यह उसके अपने संगठन से संबंधित नहीं था, तो वह इसे सुनना भी नहीं चाहती थी, इससे कोई मतलब नहीं रखना चाहती थी। क्या यह एक फरीसी नहीं, मैंने ऐसा कभी नहीं देखा!

66 प्रतीक्षा करे जब तक आप *सर्प के चरण चिन्ह* ना सुन ले। ओह। तो ठीक है। अब, वे अब सोचते है कि उनकी संप्रदाय ही एक है जो परमेश्वर के साथ पंजीकृत है, कहते है: "परमेश्वर आपकी नहीं सुनेगा जब तक आप एक मैथोडिस्ट, या एक बैपटिस्ट, या एक—एक ट्रिनिटी या वननेस ना हो, " या कुछ इस प्रकार का। यह गलत है!

67 और यही मेरा उद्देश्य है; लेकीन यदि लोगो के ह्रदय में और दिमाग में ऐसी ही एक—एक इच्छा है कि सही हो... मैं विश्वास नहीं करता कि उस महिला ने ऐसा किया क्योंकि... या कोई भी करेगा। ना ही एक मैथोडिस्ट उठेगा और मैथोडिस्ट कलीसिया के लिए विचार करेगा क्योंकि वह—वह इसे जानता है कि यह गलत था। मनुष्य सोचता है कि ये सही है। मैं नहीं सोचता कि ट्रिनिटी वाले वननेस को दोषी ठहरायेगे, या वननेस, ट्रिनिटी को, और पेंटीकोस्टल में, क्योंकि वह भिन्न होना चाहते है, वह सोचता

है वह सही है, और आपको उसके विचार का अवश्य ही सम्मान करना चाहिए। आप जानते हैं कंबल दोनों ओर से खीचा जाता है। लेकीन, याद रखें, इस सब में, यदि वहां कुछ पुरुष के ह्रदय में या स्त्री के ह्रदय में कुछ तो है लेकीन उन्होंने विश्वास किया कि यह "सही," है तो फिर कहीं तो यह सही होना चाहिए। जैसा कि मैंने अक्सर कहा है, "जब गहराई, गहराई को पुकारती है तो वहां कहीं तो गहराई होना है जो उस पुकार का उत्तर दे।"

68 आप जानते है, हमें ये बताया गया है कि—कि सील मछली एक बार समुद्र के—के किनारे पैरों से चली। लेकिन अब उसके पैर नहीं है, वे पंखो में बदल गए क्योंकि वह... पंखों की आवश्यकता थी जब इसे धरती पर से लिया गया, पंख रखने वाला जानवर, समुंदर में; प्रकृति ने पैर के बदले उसके पंख बना दिए, क्योंकि पैदल चलने से अधिक पानी में तैर सकता था।

69 मैं उस महान व्यक्ति के विषय में नहीं सोच सकता जो दक्षिणी ध्रुव पर गया। उसका क्या नाम था? ब्यर्ड। वे कहते हैं कि उसके पास कोट थे इस संदर्भ में उसने कुछ पशुओ के लिए बनाये थे; उसने पशुओ दूध के निकालने के लिए ऐसा किया था। उसने बालों के कोट बनाये कि उन पशुओं को ठंड से मरने से बचाएं। लेकिन जब वह वहां पहुँचा उन्हें किसी बाल वाले कोट की आवश्यकता नहीं पड़ी, प्रकृति ने उन्हें बढ़ा दिया था। समझे? क्यों? इससे पहले मछली की पीठ पर पंख जैसा भाग हो, वहां उसके तैरने के लिए पानी होना था जिससे कि वो तैर सके या तो उसके पास कभी भी पंख जैसा भाग नहीं होता। वहां... इससे पहले जमीन *में* पेड़ बढ़ने लगता था, वहां इसके बढ़ने के लिए जमीन का होना आवश्यक है, या तो फिर पेड़ ही नहीं होता।

70 इसलिए, आप देखते है, वहां जब तक मनुष्य के ह्रदय में किसी चीज के लिए बुलाहट हो, तो कहीं उसका उत्तर देने के लिए कुछ तो होना चाहिए कि उस पुकार को संतुष्ट करें।

71 एक महिला... कुछ समय पहले एक महिला के शव की चिर–फाड़ की गई जो मर गई थी। और कारण, उन्होंने—उन्होंने दावा किया था, जिससे वह मरी, उसने हर समय बस लगातार प्याज को खाया था। यदि वह प्याज को नहीं खाती थी, तो उसके सिर में जलन और सब कुछ होता; वे इसे

समझ नहीं पाए थे। इसलिए शव परिक्षण में, उन्होंने पाया कि महिला में किसी प्रकार की कोशिका का फोड़ा पाया गया; और उस चीज का उनके पास एक—एक नाम है। और उन्होंने इस फोड़े को लेकर इसे प्याज के कटोरे में डाला, और इसने प्याज को रात भर में गला डाला। देखा? ये क्या है? उस महिला में ये कुछ तो था जो उस प्याज की मांग कर रहा था, और यदि वहां प्याज ना होता तो वह फोड़ा भी ना होता।

72 दूसरे शब्दों में, वहां पहले तो कोई सृष्टी करने वाला होना चाहिए, इससे पहले की कोई सृष्टी हो। समझे?

73 अब, यदि मनुष्य का हृदय वहां कुछ चाहता है... जैसे मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट प्रेसबीटेरियन, कैथोलिक के लिए और ये दूसरे सारे, कोई तो एक सच्चा मार्ग को पाने की कोशिश कर रहे है, और उन्हें उनके याजक और पास्टरो और इत्यादि के द्वारा बताया गया है, कि, "ये ही सच्चा मार्ग है।" वे कहते है, याजक कहता है, "कैथोलिक कलीसिया को छोड़ कहीं पर उद्धार नहीं है।"

74 तो, हर एक कलीसिया अपने लिए बताती है... जो उनके अपने विचार है। इनमें से कुछ मानते ही नहीं, लेकीन वे इसे अपने कामो के द्वारा करते है। आपके काम आपके शब्द से तेज बोलते है। ये बस एक... एक प्रकार से वे बस कैथोलिक से भी अधिक ढोंगी है। कैथोलिक इसे अंगीकार करते है, "मैं विश्वास करता हूं कि केवल यही बात है," लेकीन वे ऐसा नहीं करेंगे। वे इसे छुपाते है, लेकीन उनके काम यह साबित करते है कि वे क्या सोच रहे है। समझे?

75 अब, तो फिर वहां पर एक स्थान को होना है, क्योंकि मनुष्य के ह्रदय में इसे पाने की एक इच्छा है। और मैं सोचता हूं कि परमेश्वर के वचन में हर एक बात का उत्तर है जिसकी हमें आवश्यकता है। इसलिए परमेश्वर के पास उत्तर है, और आइये अब इसे वचनों में खोजें। और फिर यदि परमेश्वर हमे वचनों से को दिखा दे जो एकमात्र स्थान, केवल एक ही आधार है (केवल एक संप्रदाय, क्या ये ऐसा है), केवल एक ही जरिया है कि परमेश्वर मनुष्य से भेट करेगा, तो हम उसे पकड़ रहेंगे क्योंकि हमने बाईबल के सत्य को पा लिया है, ये क्या कहता है।

76 अब शब्द *व्यवस्थाविवरण,* इस शब्द का अपने आप में अर्थ होता है "दो नियम," शब्द *व्यवस्थाविवरण।* और परमेश्वर के पास दो नियम है। दो

नियम: उनमें से एक वचन की आज्ञा का उल्लंघन करना, और मरना; और दूसरा, वचन के प्रति आज्ञाकारी होना और जीना। यही वे दो नियम है, और व्यवस्थाविवरण का अर्थ वे दो नियम। ये दोनों पूरी रीति से हमारे लिए वचन में प्रदर्शित किये गए है। इनमें से एक मृत्यु है, दूसरा एक जीवन है, जीवन और मृत्यु। परमेश्वर केवल जीवन में व्यवहार करता है, शैतान केवल मृत्यु में। और ये संसार में लोगों पर दर्शाए गए थे, खुलकर, सबकी आंखों के सामने, और इसके लिए हमारे पास कोई बहाना नहीं। इनमें से एक सिनय पर्वत पर दर्शाया गया, जब नियम दिए गए थे, जिसने की समस्त मानव जाति को मृत्यु के लिए दोषी ठहराया; और दूसरा एक कलवरी पहाड़ पर दिया गया, जो समस्त मानव जाति को जीवन में लेकर आया, जब जुर्माना यीशु मसीह में भुगतान कर दिया गया था। व्यवस्थाविवरण के दो नियम इन दो महान बातों में पूरे हो गए।

77 मैं चाहता हूं कि आप फिर से ध्यान दें, वहां दो वाचाये भी दी गयी थी। एक वाचा आदम को दी गयी थी, जो कि शर्तो पर थी, जैसे नियम: "*यदि* तुम इसे नहीं छुओगे, तो तुम जीवित रहोगे; लेकिन *यदि* तुम इसे छुओगे, तुम मर जाओगे।" यह एक नियम था। फिर वहां एक और नियम था जो अब्राहम को दिया गया, जो कि अनुग्रह के द्वारा था बिना शर्त के: "मैंने तुझे और तेरे बाद तेरे बीज को बचा लिया है।" आमीन! ये एक कलवरी का नमूना है ना कि आदम की—की—की वाचा का नमूना, ये एक अब्राहम की वाचा है।

78 लेकीन अब हम उसे ये कहते हुए सुनते हैं वहां केवल एक ही स्थान है जहाँ वो मनुष्य से आराधना करने के लिए भेंट करेगा। हमने ठीक यहाँ इस मूलपाठ में पढ़ा। हम इसका कुछ मिनटों में वापस उल्लेख करेंगे।

79 तब यदि वहां केवल एक ही स्थान है जहाँ परमेश्वर मनुष्य से भेंट करता है, बेहतर होगा हम सचेत रहे। अब आइये इस प्रातः हम अपने रिती–रिवाजो को एक ओर रख दे, और... इस संडे स्कूल के पाठ में, बिल्कुल निश्चित हो कि हम उस एक स्थान को पायेगे। क्योंकि, परमेश्वर ने यहां पर कहा, वो आपको किसी और स्थान में स्वीकार नहीं करेगा। किसी और कलीसिया में, वह आपको इसमें स्वीकार नहीं करेगा। केवल उसकी ही कलीसिया में, यही केवल स्थान है जहां वो आपको स्वीकार करेगा।

80 अब, "आप क्या कहेंगे, भाई ब्रन्हम? क्या मैं सच्चा हूं? " नहीं।

81 याद रहे, यीशु ने कुछ सच्चे लोगो से बाते की, जो उसके दिनों के आराधना करने वाले थे, और उसने कहा, "व्यर्थ में तुम मेरी आराधना करते हो।" सच्ची, वास्तविक आराधना उनके ह्रदयो की गहराई से। "व्यर्थ में तुम मेरी आराधना करते हो, मनुष्य की आज्ञाओ को शिक्षा करके सिखाते हो," या उनके संप्रदायक मतसार। ईमानदार, आदरसहित, उतने ही धार्मिक जितने वे हो सकते है। और यह फरीसियो के लिए बस नया नहीं था। कैन और हाबिल, पहले दो आराधना करने वाले जिनका जन्म हुआ था, जो यहाँ धरती पर स्वाभाविक जन्म था, पूरी तरह से एक ही मनोस्थिति में आए।

82 कैन वैसा ही धर्मी था जैसा हाबिल था। दोनों ने वेदियां बनायी। दोनों ने परमेश्वर से प्रेम किया। दोनों ने बलिदान किये। दोनों ने आराधना की। दोनों ने दशमांश दिया। दोनों ने हर चीज एक जैसी ही की। लेकिन हाबिल, *विश्वास* के द्वारा जो कि "प्रकाशन है," परमेश्वर का वचन प्रगट हुआ, स्पष्ट हुआ, दिखाया गया, और प्रमाणित हुआ। महिमा हो! कैन ने बलिदान चढ़ाया, लेकिन परमेश्वर ने इसे प्रमाणित नहीं किया। आराधना परमेश्वर की मांग है, और कैन ने बलिदान चढ़ाया, लेकीन परमेश्वर ने इसे प्रमाणित नहीं किया। लेकीन सच्चे कार्य करने के जरिये से...

83 आप कहते है, "तो ठीक है मेरी कलीसिया ऐसी है। मेरी... "

84 एक मिनट रुकिये। परमेश्वर अपने ही वचन का अपने शब्द में अनुवाद करता है जिसमे वो बोला। देखो, कैन ने कहा, "मैं धार्मिक हूं। मैं अपने रचीयता का प्रेमी हूं। मैं आपके लिए इस शानदार वेदी को रखता हूं। मैं आपको यह बलिदान चढ़ाता हूं। मैंने ये सारी चीजें बनाई है, प्रभु, क्योंकि मैं आपसे प्रेम करता हूं।" हाबिल ने उसी बात को कहा। अब, ये ही एक है जो प्रमाणित हुआ, वो एक जो साबित हुआ। और परमेश्वर नीचे उतरा और हाबिल के बलिदान को स्वीकार किया, क्योंकि प्रकाशन के द्वारा उसने परमेश्वर के सच्चे माध्यम को प्रभावित किया जिसे स्वीकार किया गया था।

85 अब ध्यान दें कैन की आत्मा वचन में से होते हुए आयी, ठीक बिल्कुल इस अंत के दिनों में। मूल तत्व? ऐसा ही मूल तत्व जैसा दूसरा एक था।

86 भविष्यवक्ता बालाम और भविष्यवक्ता मूसा की ओर देखे। दोनों सात वेदियो के साथ, यहोवा की वेदी, दोनों पर लहू था; और केवल इतना ही नहीं, लेकिन प्रत्येक पर मेढ़ा था। अंकविद्या में, बिल्कुल सही संख्या *सात*

है, "सिद्ध" सात मेढे। बिल्कुल ठीक दोनों वेदियो पर एक समान थे। वैसा ही मूल तत्व जो एक पर था दूसरे एक में भी वैसा ही था। लेकीन परमेश्वर ने किसको प्रमाणित किया? समझे? समझे? वह एक जो उसके वचन में था। मूल तत्व का मतलब बहुत अधिक नही होता; ये तो परमेश्वर का प्रकाशन है।

87 अब सोचे! ये मनुष्य, ये क्यों बुलाये गये और इस स्थिति में रखे गए (ये फरीसी) यीशु के द्वारा, कहा, "तुम व्यर्थ में मेरी उपासना करते हो"? उसकी आराधना: सच्ची आराधना, उनके ह्रदयो से सच्चाई की आराधना। "तुम... व्यर्थ में मेरी आराधना करते हो।" क्यों? उनके मनुष्यो के रीति रिवाजों की शिक्षा को सिखाते हुए। "इसलिए तुम परमेश्वर की आज्ञाओ को लोगों के लिए बेअसर बनाते हो।"

88 यदि मैं आपको मैथोडिस्ट का संदेश सिखाऊं, तो इसका आप पर कोई असर नहीं होगा, यह दुल्हन का समय है। यदि मूसा, नूह का संदेश सिखाता, तो इसका कोई असर नहीं होता। यदि यीशु मूसा का सन्देश सिखाता तो इसका कोई असर नहीं होता। क्योंकि पहले से ठहराया गया बीज वहां पर रखा हुआ है उसे उसी प्रकार के जल से सीचा जाएगा जो उस बीच के लिए दिया गया है। समझे? ये किसी और दशा में नहीं बढ़ेगा। इसे अवश्य ही उस दशा में होना है जो इसे बढ़ाती है।

89 अब, आप एक मुर्गी के अंडे को ले और उसे अण्डे सेने की मशीन या यंत्र में रख दे, जो मुर्गी के नीचे होना चाहिए, लेकिन कैसे भी बच्चे को बाहर लायेगा। इसे नीचे रख दे छोटे से बच्चे को बाहर लायेगा। यह वो गर्मी होती है, उसके अनुकूल जिससे उसमे से बच्चा बाहर आता है। इसलिए इसे उस अनुकूल के नीचे होना है। आप एक अच्छा जीवित अंडा ले सकते है और मरी हुई मुर्गी के नीचे रख दे, ये बच्चे को बाहर नहीं लायेगा। समझे, ये तो अनुकूलित है।

90 तो ठीक है, इसी प्रकार से ऐसा इस युग में है जिसमे हम रह रहे है, आपको यह ढूंढना है कि परमेश्वर का इस युग में इसे करने का क्या जरिया है। यही है जो मार्टिन लूथर ने पाया, यही है जो जॉन वैसली ने पाया, यही है जो पेंटीकोस्टलो ने उनके युग में पाया। परमेश्वर का इसे करने का युग या समय है।

91 अब, पेंटीकोस्टल। वो भाई, एक... मैं सोचता हूं उसकी... उसकी एक आंख बाहर थी, वो एक अश्वेत भाई था, जिसने वास्तव में कैलिफोर्निया में पेंटीकोस्टल संदेश को आरंभ किया, उस पुराने अजुज़ा स्ट्रीट में। उस पर हँसा गया, और क्योंकि वह एक नीग्रो था। उसका मजाक उड़ाया गया, लेकीन उसने उस युग के लिए संदेश को लाया। बस एक छोटा सा शरीर, एक व्यक्ति जो मुश्किल से अपने नाम का हस्ताक्षर कर सकता था, लेकीन परमेश्वर ने उस पर प्रगट किया था कि उन दानों को वापस लौटाने के लिए यही वो युग था, वे आये। कोई मतलब नहीं *क्या* कहा गया, पर वे आये। लेकिन हर एक जन इस के वातावरण में आ गया, और देखा कि ये वो युग था, और देखा गया कि परमेश्वर उन लोगों को प्रमाणित कर रहा था जो अन्य भाषाओं में बोल सकते थे, और आदि–आदि, ये घटित हुआ। लेकीन उसके बाद जब वो चला गया और इस पर जोर दिया कि "केवल यही वो प्रमाण है," इसने इसे मार डाला। समझे? सीधे आगे निकल गया, देखो। इसने इसे किया। तब उन्होंने *इसको, उसको* निकालना आरंभ किया, और संप्रदाय बनाने लगे; और एक कहता है वो बादल पर आ रहा है, और दूसरा वो एक झाड़ी में आता है। और ओह, प्रभु, ऐसा चल रहा है।

92 यही है जो संप्रदाय करता है। समझे? परमेश्वर संप्रदाय का लेखक नहीं है, क्योंकि संप्रदाय बाबुल है, और वह गड़बड़ी का लेखक नहीं है। हम उसे देखते है... आपको यहाँ तक इसे देखने के लिए बुद्धिमान भी नहीं होना है। यह बाबुल है! समझे? रिति–रिवाज (इस पर सोचो), सच्चे लोगो। अब, अभी भी, क्योंकि वे इसका विश्वास करते है, वहां अब भी आवश्यकता है कि एक सच्चा स्थान हो जहां परमेश्वर भेंट करता है।

93 अब पद 2 पर ध्यान दें। "उस स्थान में आराधना करें जिसे *मैंने* चुना है।" बलिदान, नि्संदेह, जहां उन्होंने बलिदान के ऊपर आराधना की। "वो स्थान जिसे *मैंने* चुना; ना कि जो तुमने चुना, ना ही जो मनुष्य चुनता है। लेकीन जिसे *मैंने* चुन लिया है तुम इस स्थान में आराधना करो।" वहां दिखाई देता है, तब वही केवल एक स्थान है, दूसरे व्यर्थ है। इसे अवश्य ही *तुम्हारी* पसंद का नहीं होना है, लेकीन यह अवश्य ही उसकी पसंद का होना चाहिए।

94 "अच्छा, मुझे कलीसिया में नहीं जाना है।" या, "तुम बहुत ही संकीर्ण सोच वाले हो! क्योंकि, तुम यहाँ तक स्त्रियों के प्रचार पर भी विवाद करोगे

और... या स्त्रियों के बाल कटाने पर, और पुरुषों की इन दूसरी बातों पर। क्योंकि, तुम बहुत ही संकीर्ण सोच वाले हो!"

95 अच्छी बात है, तुम्हें इस विषय में परमेश्वर के वचन को नहीं लेना है, तुम वहीं पर जाओ जहां वे ऐसा करते है। समझे? और आप पायेगे कि यह वचन में है, सो, "ये व्यर्थ मेरी आराधना करते है।" यीशु ने भी इसी बात को कहा है। समझे?

96 वो हर एक छोटे से छोटा अंश, हर एक चीज में, आपको विश्वासयोग्य होना चाहिए। ये हमेशा ही वो छोटी–छोटी—छोटी–छोटी दाख, वो छोटी–छोटी—छोटी–छोटी लोमड़ी उस दाख को बर्बाद कर देती है। कभी–कभी आप छोड़ देते है... ये बड़ी चीजे नहीं जो आप करते हैं, ये छोटी–छोटी चीजे है जो आप अधूरी छोड़ देते है। याद रखें, एक जंजीर इसके कमजोर जोड़ पर ही मजबूत होती है। "धन्य है वे जो परमेश्वर की *सारी* आज्ञाओ का पालन करते हैं, जिससे कि उन्हें भीतर प्रवेश करने का अधिकार मिल सके।" वह *सब* करो जो परमेश्वर ने कहा।

97 यदि स्त्री के लिए कहा गया है कि लम्बे बाल रखें, आप कहते है... एक मनुष्य ने मुझे बताया ज्यादा समय नहीं हुआ, कहा, "मैं कपड़े की बातों का धर्म प्रचार नहीं करता।"

98 मैंने कहा, "तब तो आप सुसमाचार प्रचार नहीं कर रहे हो।" जी हां।

99 परमेश्वर ने इसे वहां रखा है, उसने कहा है कि क्या करना है। और आप चाहे तो इसे करें... यही आपकी स्वाभाविक विचारपूर्ण बात है। क्या छोटी बात... क्या... छोटी मामूली बात। यीशु ने कहा, "धन्य है वे जो उन्सरी छोटी–छोटी बातों को लेगा, छोटी–छोटी चीजो को करता है।" और एक स्त्री अपने बालों को बढाने दे, यह केवल एक... क्योंकि ये कुछ तो ऐसा है जो *वो* कर सकती है और वो यहाँ तक इसे करेगी भी नहीं। वह यहाँ तक ऐसा करेगी भी नहीं।

100 "ओह, हमे बड़ी–बड़ी बातो की शिक्षा दे।"

101 आप भला कैसे बड़ी–बड़ी बातो की शिक्षा दे सकते हैं जब कि आप साधारण सी बातों को नहीं करते है, आम बातो को? क्योंकि, आप देखिए, आपका उद्देश्य और आपका लक्ष्य गलत है।

102 ये आपका परमेश्वर के प्रति प्रेम है, "प्रभु, मैं चिंता नहीं करता कि आप मुझसे क्या करवाना चाहते है, मैं इसे करने के लिए तैयार हूं।" तब आप कहीं तो पहुंच रहे है, लेकिन यदि आप ये उस प्रकार से नहीं करते हैं, जिस प्रकार से उसने इसे करने को कहा है...

103 यह उसका चुनाव है, "वह स्थान जो मैंने चुना है।" यही जहां तुम अपने बलिदान के साथ आराधना करते हो।

104 आप रखिए... कैन ने अपना बलिदान लाया, हाबिल ने अपना लाया, यह निर्भर करता है कि आप इसे कौन से स्थान में ले जाते है। यदि आप इसे उस स्थान में ले जाते हैं जहाँ उसने चुना है, तो ये ठीक होगा, वो इसे स्वीकार करेगा; यदि ऐसा नहीं है, तो वो इसे स्वीकार नहीं करेगा। चिंता नहीं, यह वही बलिदान है, यह जो कुछ भी हो, यह अब भी... अस्वीकृत है जब तक कि ये उस निश्चित स्थान पर नहीं लाया जाता।

105 अब हम ढूंढना चाहते हैं कि हम इस बलिदान को कहां लाना चाहते है। यदि हम पा सकते है... हम सब स्वर्ग जाना चाहते है। क्या हम नहीं चाहते? और हम सब जानते है कि हमने गलत किया है। हम सब ये विश्वास करते हैं कि यीशु बलिदान है। अब हम ये जानना चाहते है, कि उसे कहां ले जाये, जिससे कि इसे—इसे स्वीकार किया जायेगा। समझे? यह ठीक बात है। बाईबल हमे बताती है कि उसे कहां ले जाए, और फिर ये स्वीकार किया जायेगा; इससे बाहर, यह स्वीकार नहीं होगा।

106 अब हम यहाँ पर भी ध्यान दें कि वह स्थान जो उसने बलिदान के लिए चुना है कि रखा जायेगा, वो स्थान जो उसने चुना कि उस बलिदान को रखें। आप इसे किसी भी द्वार पर नहीं रख सकते; लेकीन वह स्थान जो उसने रखने के लिए चुना, उसने अपने नाम को भी उस स्थान में रखा। यही है जो उसने यहाँ पर कहा। उसने अपना नाम इसमें रखने के लिए चुना। अब आइये वचन में इस स्थान की खोज करें, क्योंकि वह स्थान यही वो स्थान है जहां उसने अपना नाम रखा है।

107 अब आइये हम इसे मूल पाठ से पढ़ें। और मेरे पास यहाँ पर कुछ लिख कर रखा हुआ था जो मैं... ये बात आज सुबह मेरे पास आयी। आइये इस अध्याय के 2 रे पद को ले। अब, मैं अधिक नहीं रोकना चाहता, लोगों को देखते हुए, जो यहां संचार व्यवस्था पर जुड़े हुए है। अब 2 रा पद 16 वे अध्याय का:

इसलिए तू वही अपने परमेश्वर यहोवा के लिये भेड़–बकरियों और गाय–बैल फसह करके बलि करना, जो स्थान यहोवा अपने नाम का निवास ठहराने को चुन लेगा।

108 अब, आप इसे नहीं ले सकते... आपकी ईमानदारी और वो सब जो आप स्वीकार करना चाहते है, आप बस इसे मैथोडिस्ट वेदी पर लेकर नहीं जा सकते, एक बैपटिस्ट वेदी पर, पेंटीकोस्टल वेदी पर, लेकीन कहीं तो एक वेदी है जो उसने चुनी है कि वह... अपना नाम इसमें रखे, और वह आपसे उस स्थान पर भेंट करेगा। अबी, यदि आपकी सारी चीजें ठीक–ठीक चल रही है, और आगे बढ़ना है; हर एक चीज व्यवस्थित है। यदि वहां तार में कहीं शार्ट या कटाव है तो वह बिजली आगे नहीं जाएगी; क्योंकि ये भूग्रस्त हो गयी है। और जब आप परमेश्वर के एक वचन को लोगे या उसके स्थानों में से एक को, और अपने ह्रदय के अन्दर स्वार्थ के उद्देश्य को रखते हो, तो यह परमेश्वर की सामर्थ को ठीक वहीं भूग्रस्त कर देगा। यदि आप इसे करते हैं क्योंकि आप होशियार बनना चाहते हैं, किसी से तो भिन्न होना चाहते है, या ऐसा ही कुछ तो, ठीक वहीं भूग्रस्त हो जाएगा, ये फ्यूज को उड़ा देगा। आप गलत है। आपको ईमानदारी से आना होगा, अपने संपूर्ण ह्रदय से, आपका उद्देश्य और आपका लक्ष्य स्थान जो ठीक परमेश्वर पर है। तब *उसके* स्थान को ढूंढे, कि उसने कहाँ पर कहा है, और इसे वहां पर लाए। समझे?

109 मार्था और मरियम की ओर देखें। जब यीशु वापस आया था, इसके बाद उसने उन्हें इस सुसमाचार की शिक्षा दी (वो मसीहा होने के नाते, उसके दिन का उजियाला था), उससे घृणा की गयी, और ठुकराया गया। ओह, फरीसी और कलीसियाओ ने उसे तुच्छ जाना। लेकीन लाजरस मर गया था, भाई, जो उसका एक गहरा मित्र था। उसने उसे वहीँ पड़े रहने दिया; और उन्होंने उसे बुलवाया, वह आया तक नहीं।

110 लेकीन मार्था की ओर ध्यान दे उसके रवैये पर। उसने कहा, "प्रभु यदि तू यहां पर होता।" उसने उसे उसकी सही उपाधि दी: प्रभु, बड़े अक्षर एल–ओ–आर–डी लॉर्ड *याहवे,* यहोवा। महिमा हो! "यदि तू यहां पर होता तो, मेरा भाई ना मरता।" जीवन और मृत्यु एक ही माध्यम में नहीं जुड़ सकते, या एक ही घर में। "तू होता... तो वह नहीं मरता।"

111 यीशु ने उससे कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं," परमेश्वर कहता है। देखा? जब उसने पहले, कहा, "तेरा भाई फिर से जीवित होगा।"

112 उसने कहा, "हां, प्रभु, मैं सही में इसका विश्वास करती हूं। एक यहूदी होने के नाई, मैं विश्वास करती हूं कि मरे हुए का सर्वसाधारण पुनरुत्थान होगा; और मैं विश्वास करती हूं कि मेरा भाई, आराधना में उतना ही ईमानदार और सच्चा था। और मैं विश्वास करती हूं कि तू ही वो मसीहा है, जिसके लिए बाईबल में कहा गया, क्योंकि परमेश्वर अपना वचन तुझ में प्रमाणित कर रहा है कि तू इस घड़ी का संदेशवाहक है। तू वो मसीहा है। मैं विश्वास करती हूं जो आने वाला था, तू ही वो मसीहा है, क्योंकि तेरे काम गवाही देते हैं कि परमेश्वर ने तुझे यहां मसीहा होने के लिए भेजा है।" ओह, प्रभु! ध्यान देना अब पहिये के दांत अपने सही स्थान पर आने लगे। समझे?

113 अब, उसे अधिकार था कि वो कहे, कि, "तू मेरे भाई को उठाकर कर खड़ा करने क्यों नहीं आया? क्यों तूने उसे चंगा नहीं किया? तूने दूसरों को चंगा किया है। जो तेरा गहरा मित्र है, और अब देख क्या हो गया।" नहीं, नहीं, इस प्रकार का उद्देश्य कहीं नहीं पहुंच पाता।

114 "विश्वास करती हूं कि तू बिल्कुल वही है तू वचन में होने के लिए प्रमाणित हुआ है। मैं विश्वास करती हूं कि यही वो दिन है कि मसीहा को आना है; हम उसके लिए प्रतीक्षा कर रहे थे। मैं चिंता नहीं करती कि वे बाकी के सब क्या कहते है। मैं अपने पूरे ह्रदय से विश्वास करती हूं कि जो मैंने वचन के द्वारा देखा और सुना है, कि वह वचन तुझ में प्रमाणित हुआ है, कि तू ही वो मसीहा है।" देखो, उसके अंदर, उसके—उसके पास कुछ पूछने के लिए था, लेकीन उसे सही माध्यम से ही आना था।

115 क्या होता यदि वो वहां भाग कर जाती और कहती, "और फिर तू मुझे बताता है कि तू वो मसीहा है! और यहाँ तक तुझमें विनम्रता भी नहीं, इतनी सज्ञनता भी नहीं कि यहाँ तक हमारी विनंती का उत्तर दो; जब कि हमने तुझे खिलाया और घर में रखा, और सारी बातो को और तेरे लिए ले लिया, और हमारी कलीसियाओ को छोडा, जैसा कि तू ने हमें आज्ञा दी कि उन सम्प्रदायों में से बाहर निकल आओ।" समझे? "और यहाँ हमने इसे छोड़ दिया और अब हम बहिष्कृत हुए और त्यागे हुओ की गिनती में गिने गए है। और तेरे लिए हमने सब कुछ किया है, और फिर यहाँ तक

तू इतना भी विनम्र नहीं कि हमारे बुलावे का उत्तर दे? " अब, असल में उसको यह अधिकार था।

116 जैसा आप छोटे बालो को रखने के विषय में कहते है, "मैं एक अमेरिका की नागरिक हूं। मैं छोटे वस्त्र पहन सकती हूं, कुछ भी कर सकती हूँ, ये कुछ भी अवैध नहीं है।" यह तो आपका अधिकार है, लेकीन एक भेड़ हमेशा ही अपने अधिकार को दे देती है। हूँ–हुंह। यदि आप एक मेम्ना है! तो ऊन के सिवाये उसके पास कुछ नहीं है, वो इसे दे देता है। यही उसको परमेश्वर से दिया गया अधिकार है, लेकीन वो इसे दे देता है।

117 "मुझे अधिकार है कि किसी भी संप्रदाय का सदस्य बनू।" यह बिल्कुल ठीक बात है, लेकीन आप इसे छोड़ दे। समझे?

118 वह उसके पास के सारे अधिकारों को छोड़ देती है, जिससे कि परमेश्वर के वचन को पहचाने जो ठीक उसके सामने प्रगट हुए है।

119 उसने कहा, "पुनरुत्थान और जीवन मैं हूं। वो जो मुझ में विश्वास करता है, यदि वह मर भी जाए, तो भी वो जी उठेगा। जो कोई जीवत है और मुझ में विश्वास करता है वो कभी नहीं मरेगा। क्या तू इसका विश्वास करती है? " देखिए, वहां एक और छोटा सा पहिये का दांत है जो पंक्ति में साथ नहीं आया। देखा?

120 "हां, प्रभु! मैं विश्वास करती हूं कि तू मसीह है, जीवते परमेश्वर का पुत्र!" ओह भाई, तब ठीक हर चीज उस समय चिंगारी लगने को तैयार थी। समझे?

121 "तुमने उसे कहां पर रखा है? " समझे? और आप जानते होंगे क्या बात घटित हुई।

122 देखिए, इससे पहले वह आपके बलिदान को स्वीकार करें आपको उस सही स्थान में होना है। देखिए, आपको इसके अंदर आना ही है। अब, ध्यान दें।

> *... वह स्थान तेरा परमेश्वर यहोवा अपने नाम का निवास करने के लिए चुन ले।*
>
> तू उसके *संग कोई खमीरी वस्तु ना खाना;...*

123 बलिदान में यह किसकी प्रतिछाया है? इसे किसी भी मत–सिधांत के साथ ना मिलाना, इसे वचन ही होना है। "*कोई खमीर की रोटी नहीं।*"

खमीर जो... आप जानते होंगे किसी भी चीज में खमीर क्या होता है। "थोड़ा सा खमीर सारे आटे को खमीर कर देता है," सारा आटे का ढेर देह है। आप संप्रदाय का जरा अंश या मत–सिधांत मसीह के अंदर नहीं मिला सकते। नहीं, श्रीमान, यह काम नहीं करेगा।

124 आपको बीते गुरुवार की रात का संदेश याद है? आपके पुराने पति को अवश्य ही मरना है। यह सही बात है। आपका नया पति वचन है।

... सात दिन तक तू अखमीरी रोटी खाना इसमें...

125 "*सात दिन,*" यह किसकी प्रतिछाया है? सम्पूर्ण सात कलीसिया काल, सात दिन। उन्हें क्यों इसे सात दिन तक खाना है? किसके पहले? जाने के पहले। और सारा कलीसिया युग, आरंभ से लेकर अंत तक, केवल परमेश्वर के उस युग के वचन पर ही जीना है। इसलिए आपका रोमन मत–सिद्धांत, मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, और पेंटीकोस्टल मत–सिद्धांत सब मरे हुए है।

126 अब ध्यान दें।

... वहां, *यहां तक कि दु:ख की रोटी;...*

इसके लिए वे सताये गये; लूथर, वैसली, पेंटीकोस्टल; सारे सताए गए, और इस प्रकार से तुम भी सताए जाओगे।

... क्योंकि तू मिस्र देश से उतावली करके निकल आया:... तू वह दिन बना रहे जब... तू इस रीति से तुझ में तुझ को मिस्र देश से निकलने का दिन जीवन भर स्मरण रहेगा।

और तेरे पास कहीं खमीर देखने में भी ना आए... उन सात दिन तक तेरे सारे देश में;...

127 मसीह की सुन्दर दुल्हन में, रोमन शासन के अंधेरे युगों में से होते हुए उसकी मृत्यु के बाद, जिसमें उसे मरना था, "जब तक गेहूं का दाना भूमि में नहीं गिरता है।" दूल्हे को आना था, परमेश्वर की सिद्ध रचना को। आप सब ने इस पर मेरा संदेश सुना है।

128 एक दिन मैं लॉस एंजल्स के, फोरेस्ट लोन में खड़ा हुआ था, और मेरा ह्रदय उछल पड़ा। कितने लोग कभी फोरेस्ट लोन गये है? वहां एक... मूसा की मूर्ति है, जो एन्जलो के द्वारा—द्वारा... बनाई गई, मैं सोचता हूं, ये माईकलएंजेलो है। और यह एक सिद्ध मूर्ति है, पूरी तरह लेकिन उसके

दाहिने घुटने में, वहां लगभग आधा इंच गहरा गड्ढा है। और वो मार्गदर्शक या गाईड... मैं देख रहा था, और उसने मुझे इसकी ओर ध्यान दिलाया। उसने कहा, "माईकलएंजेलो ने इसे बनाने के यत्न में—में सारा जीवन बीता दिया... वह मूर्तिकार था, और वह मूसा की छवि बनाने की कोशिश कर रहा था। उसके मन के पिछले भाग में, उसके मन में था कि मूसा कैसा दिखता था। ये उसके ह्रदय में था, मूसा कैसा दिखना चाहिए। और फिर उसने अपना जीवन बीता दिया; यहां थोडा छेनी से खोदता, और इसे साफ़ करता, पीछे हट कर और इसकी ओर देखता। वर्ष के बाद वर्ष के बाद वर्ष, उसने इस पर काम किया। अंतः जब ये पूरी हो गई, वो पीछे हटा और अपने कपड़े के टुकड़े को और हथोडे को नीचे रखा, उसने मूर्ति की ओर देखा। ये मूसा की बहुत ही सिद्ध मूरत थी, जो उसके ह्रदय में थी, यहां तक कि वह अपने आपे में नहीं रहा, उसने हथोड़ा उठाया और प्रहार करके, चिल्लाया, 'बोल!'" यह *माईकल एंजेलो की सर्वोत्तम रचना* कहलाई। उस मूर्तिकार में कुछ तो महान बात थी वो दर्शन जो उस मूसा के लिए था कि वो कैसा होना चाहिए, जो केवल उस महान पिता परमेश्वर की प्रतिछाया को चित्रित कर रहा था।

129 जगत के बुनियाद डालने से पहले यह उसके ह्रदय में था, एक पुत्र, क्योंकि वो एक पिता था। लेकीन ये अब भी उसके वचन के वंशाणु में था। और उसने मनुष्य की सृष्टी की, और उसे उसकी स्वतंत्र इच्छा पर रखना था, लेकीन वो मनुष्य गिर गया। लेकीन वो महान मूर्तिकार, परमेश्वर, जिसने मनुष्य को धरती की मिट्टी से बनाया, उन्होंने इसके लिए समझौता नहीं किया, उसने मनुष्य को फिर से बनाना आरंभ किया। और उसने नूह को बनाया, वह शराब पीकर मर गया। उसने मूसा को बनाया, जो उसके वचन का पालन करने से चुक गया। उसने भविष्यवक्ताओं को बनाया जो कठिनाई के समय में भाग गए। और बनाता गया और ढालता गया जब तक कि कुछ समय बाद वो एक—एक सर्वोत्तम रचना को चाहता था, ताकि उसका प्रतिबिंब करे, उसके स्वभाव को, जो उसके ह्रदय में था कि पुत्र कैसा होना चाहिए।

130 एक दिन, वहां यर्दन पर जब सर्वोतम रचना तैयार हुई और बन चुकी थी, उसके बाद, यहाँ वो एक नीचे उतरकर आया... पिंडुकी के पंखों पर, कहा, "ये है वो!" इस सर्वोत्तम रचना से इतना उत्तेजित हुआ था इतना

तक कि उसने उसे कलवरी पर प्रहार कर दिया, कि हम बाकी लोगो के लिए वह मरे, जो सिद्ध नहीं है; कि उसके लहू बहाने के द्वारा, वो बहुत से सर्वोत्तम रचना को ला सके (दुल्हन होने के लिए) उसके पुत्र की। वह सर्वोत्तम रचना घाव के निशान से भरी है परमेश्वर के उत्सुकता के कारण, एक ऐसी सर्वोत्तम रचना को देखकर, उसने हम सब के कारण उस पर प्रहार किया। समझे? वहां वह मरा कि हम जो सिद्ध नहीं है उन्हें सिद्ध करे। सर्वोत्तम रचना।

131 अब, यहां पर ध्यान दें उसने कहा:

... सात दिन तक तुम अखमीरी रोटी खाना...

132 अब, रोटी प्रतिछाया है। यीशु ने कहा, "मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं जीएगा लेकीन प्रत्येक वचन से।" न केवल—केवल एक शब्द यहां और वहां संप्रदायों के नाई आप इस पर विश्वास करेंगे। लेकीन परमेश्वर का वचन सिद्ध है! यह परमेश्वर स्वयं अक्षर के रूप में एक "बीज" कहलाता है। और सही प्रकार का बिना मिलावट का विश्वास जो उस वचन में होता है उस बीज को उसके जीवन में लेकर आएगा।

133 ठीक यही चीज आप रात्रि में विचारों के परखने में देखते है, और ये सारी दूसरी चीजें, क्योंकि ये एक प्रतिज्ञा है जो परमेश्वर ने की। और उसने मेरे पास खड़े होकर इसे बताया और मुझे बताया कि ये "नकल करने वाले उठ खड़े होंगे, लेकिन धैर्य से पकड़े रहना।" मैं इसका विश्वास करता हूं। और मेरा कोई स्वार्थी उद्देश्य नहीं, कि किसी को ठेस पहुंचाऊ, लेकीन परमेश्वर के लिए आदरपूर्ण रहूँ और उस कार्य को करूं जिसके लिए उसने मुझे बुलाया, इसलिए मैं इन बातों को कहता हूं। और परमेश्वर ने वापस इसकी पुष्टि की है, और प्रस्ताव और बलिदान को स्वीकार किया है, इसे सत्य प्रमाणित करने के द्वारा। इस विषय में कोई प्रश्न नहीं! अब उस वचन को ध्यान दें!

134 अब हम यहां देखते है, "*सात दिन,*" यह प्रत्येक कलीसियायी युग के लिए है। अब, जैसे उस सर्वोत्तम रचना को मरना था पुनरुत्थीत होने के लिए जिससे कि हम सबको छुड़ाये। तब पेंटीकोस्ट पर उसके पास व्यवस्था में कलीसिया थी, लेकीन उस कलीसिया को बलिदान में से होकर जाना था; और रोमी संसार ने इसे मार डाला, इसे भूमि में डाल दिया।

135 इस किताब के लेखक होने के नाते, मैं इस विषय में नहीं सोच सकता, मेरा बहुत मजाक उड़ाया गया है, और कहा, "सभी शैतानो में से, ये विलियम ब्रंहम है।" देखो, यही है जो शैतान बोलने की कोशिश करता है। उसने कहा, "दर्शन और इत्यादि," कहा, "यह शैतान के है," उसने कहा, "या, ये किसी प्रकार का सम्मोहन करना है, या उच्च चेंतनाओ की समझ में कार्य कर रहा है।" बुद्धिमान संसार हमेशा ही इसका अनुमान लगाने की कोशिश करता है।

136 यही है जो उन्होंने यीशु का अनुमान लगाने की कोशिश कीं। "तुम इन चीजो को कैसे करते हैं? किसने इसे किया? "

137 उसने कहा, "मैं तुमसे एक प्रश्न करूंगा। क्या यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की सेवकाई... क्या यह परमेश्वर की ओर से थी या मनुष्य की? " समझे?

138 कहा, "हम नहीं कह सकते।"

139 कहा, "ना ही मैं तुम्हें बताऊंगा।" ठीक बात है। वे चले गये। "उसके बाद से किसी व्यक्ति ने उससे कुछ नहीं पूछा।" देखा? उसने उन्हें बस अलग कर दिया, उसने इस विषय में उन्हें कुछ नहीं बताया; ना ही उनका कोई काम है। उसके पास करने के लिये काम था और उसने इसे पूरा किया।

140 परमेश्वर उसी चीज को करने के लिए हमारी सहायता करें। हमें शैतान के प्रश्नों का उत्तर नहीं देना है, ये ठीक बात है, "यदि तू है, तो *ऐसा–ऐसा* कर।" आप इस सुसमाचार के लिए उत्तरदायी है, एक प्रचारक उत्तरदायी है, और ऐसा ही है; ना ही ये कैसे लिखा है, ये तो बस इसे कहने के लिए उत्तरदायी है।

141 और एक सेवक के नाई, यदि आप एक भविष्यवक्ता है, तो आप परमेश्वर के लिए उत्तरदायी है। और यदि वे दर्शन जो आते है ये इस वचन को प्रकाशित करते है और दिखाते है कि ये क्या है, तो आप हर एक वचन के लिए उत्तरदायी है जो उस बाईबल में है, क्योंकि यह सब एक जैसे लोगों ने ही लिखा है जैसे आप लोग है। "परमेश्वर ने पुराने समय के भविष्यवक्ताओ के द्वारा कार्य किया और... पवित्र बाईबल को लिखा।" समझे? और ना ही कोई भी परमेश्वर का सच्चा भविष्यव्यता एक वचन को भी अस्वीकार नहीं कर सकता, लेकीन हर एक वचन का विश्वास करता है और उसी को प्रचार करता है। और तब परमेश्वर बाध्य होता है उस

माध्यम से आये हुए उस वचन को घटित करें बिल्कुल ठीक उसी प्रकार से जैसे प्रतिज्ञा की है, वो बीज बढ़ेगा।

142 अब, फिर ध्यान दें, जल्दी से, हम यहां पाते हैं कि सारे सात दिनों में जो इस रोटी को खाना था, सात कलीसियाओ में से होते हुए। अब, जब इसे मरना था और भूमि के अंदर जाना था।

143 और ये निंदक जिसने मेरे विषय में बात की, कहा, "वो परमेश्वर जिसकी तुम लोग आराधना करते हो, क्या वह अधियारे युगों में बैठा रह सकता था और उन माताओं और गर्भवती महिलाओ को देखता रहे, उनमें से कुछ के पास उनकी गोद में छोटे बालक थे, वे सच्चे लोग, उन्हें तमाशा गृह में फेंक दिया गया और शेरों ने फाड़ कर उनके टुकड़े–टुकड़े कर डाला, और वे चिल्ला रहे थे; उन्हें क्रूस पर लटका दिया गया और उन्हें जला दिया गया; स्त्रियो को नंगा कर दिया गया, युवा कुंआरियां, और इस प्रकार से उन्हें पीछे फेंक दिया, और सिंहो को उन पर छोड़ दिया गया।" कहा, "एक परमेश्वर जो स्वर्ग में बैठ पाया, जिसे उसके सिंहासन पर होना चाहिए, और नीचे देखकर और कहता है वो इसका आनंद ले रहा है," कहा।

144 तब, देखो, या इस बुद्धि की विचारधारा है जो कि शैतान की ओर से है। यदि वो मनुष्य आत्मिक होता था तो, वो ये जान जाता कि गेहूं के दाने को मरना ही है, इसे रोम के गिरजाघर में गड़ना ही था।

145 लेकीन उसके बाद छोटा जीवन का अंकुर मार्टिन लूथर के द्वारा सुधार में आगे आया, कि, "धर्मी जन धन्य पपड़ी के द्वारा जीवित नहीं रहेगा जो वो याजक करता है, लेकीन परमेश्वर के वचन के द्वारा। 'धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा!'" उसने दो टहनी को लाया। गेहूं का बीज बढना आरंभ हो गया।

146 फिर जॉन वेसली आया और इसमें जोड़ दिया। (वहां और बहुत से थे जो... ज्विन्गली और वे आगे आए और कुंवारी के जन्म का इन्कार किया, और ये तभी मर गया।) लेकीन साथ ही मैथोडिस्ट आये, फुन्दनी, पराग, मिशनरियों के दिन। और उन्होंने पवित्रीकरण का प्रचार किया; फुन्दनी को जोड़ दिया।

147 उसके बाद पेंटीकोस्टल भूसी में निकल कर आए, इतना तक, चुने हुओं को भरमा दे। वास्तविक गेहूं के दाने के समान दिखे, इसे खोला, वहां कोई गेहूं नहीं था। लेकीन जीवन भूसी में से होकर निकल रहा था।

148 अब, क्या आपने ध्यान दिया, एक—एक महान सभा के हर तीन वर्षों के बाद, क्या बात जगह लेती है? एक संप्रदाय। पर इसे बीस वर्ष हो गए है कोई संप्रदाय नहीं। प्रिय मरते हुए मेमने, होने पाए इसे कभी भी ना करे। यदि मैं इस पीढ़ी में चला जाऊं, होने पाए जो लोग इस संदेश का विश्वास करते हैं कभी भी संप्रदाय के लिए ना रुके! परमेश्वर करे... आप ठीक अपने पथ पर ही मर जाएंगे! इसे याद रखें! उसी घड़ी जब आप संप्रदाय का उल्लेख आपके मध्य में करते है, मैं परवाह नहीं करता कि आप कितने सच्चे हैं, पवित्र आत्मा के बजाये मनुष्य को अगुवाई के लिए लेते है कि इस वचन की पुष्टि करे, आप उसी घड़ी मर जाते है! मूल बीज नहीं कर सकता, क्योंकि बीज के बाद कुछ नहीं बचता, ये वही बीज है जो पहले आरंभ में था। ये दुल्हन है जो जमीन में गिरी ताकि गेहूं के दाने को फिर से वापस लेकर आए।

149 ध्यान दें:

... सात दिनों तक तुम अखमीरी रोटी खाना...

150 और वहां ये दुल्हन के साथ होगा...

151 अब, आप लोग जिनके पास पुरानी चिल्लाने वाली मैथोडिस्ट मां थी, और इत्यादि, जो आपने सोचा "यदि वो अन्य भाषा में ना बोली तो वह वहां पर नहीं होगी।" यह एक झूठ है! उसके पास वही पवित्र आत्मा था जो आज आपके पास है, लेकिन यह लटकन या फुंदनी के रूप में था, ना ही तब दानो को लौटाया गया था। लेकीन सारे सातो दिन, केवल अखमीरी रोटी खाना, वो वचन। वे, पहले, जो संप्रदाय हो गए, वे मर गए। वे डंठल है, वे बस इकट्ठे किए जाएंगे और जलाये जायेंगे। लेकीन जीवन ठीक इसमें होकर आगे जा रहा है। और क्या होता है? वह सारा जीवन जो डंठल में था या फुंदनी में था, भूसी में था, सब मिल कर गेहूं में सिमट गया। और वही पवित्र आत्मा जिसने लूथर को लाया, वैसली को लाया, पेंटीकोस्टल को लाया, पुनरुत्थान में दुल्हन के अंदर सिमट जाता है।

152 "सात दिन, अखमीरी रोटी खाना।" दुल्हन के मध्य में कोई खमीर ना पाया जाया, ना—ना ही वचन में जोड़ना, नहीं कुछ भी नहीं। याद रहे, एक वचन हर एक मृत्यु का कारण बना जो धरती पर है; हर अवैध बालक जो जन्मा था क्योंकि हवा, पहली कलीसिया, जो पहले आदम की दुल्हन थी, उसने परमेश्वर के वचन पर सन्देह किया और संप्रदायवाद को स्वीकार किया, या एक बुद्धि संबंधी बातों को, या एक विद्यालय अपवाद को; क्योंकि ये तर्क दिया गया था, कि, "निश्चय ही, परमेश्वर एक भला परमेश्वर है।" परमेश्वर एक भला परमेश्वर है, लेकीन वो एक न्यायी परमेश्वर भी है। हमे अवश्य ही उसके वचन का पालन करना है! विद्यालय, उसने इसे स्वीकार किया।

153 यही है जहां आप धर्मविद्यालय के कुछ लड़के है, कोई संदेह नहीं आपके जीवन में एक बुलाहट होती है, लेकिन आप किसी बाईबल विद्यालय में भाग कर जाते है जिससे कि यह शिक्षा को आपके अंदर डाला जाए और वहीं पर आप मर जाते हैं... परमेश्वर और उसके वचन के साथ बने रहे। वे आपको नहीं करने देगे; या, आप यहाँ तक उनके सभा के लोगो में भी नहीं होगे, आपको प्रचार मंच पर स्वीकार नहीं करेंगे। इसलिए उन्हें इसे करने दो, मुर्दों को मुर्दे गाड़ने दो, आइये हम मसीह के उस वचन का अनुकरण करें।

154 अब, सात दिन वहां कोई भी खमीर दुल्हन में नहीं मिलाया जायेगा, कलीसिया में, सात दिनों तक।

155 अब ध्यान दें। अब जैसे नहीं...

> *और वहां तेरे सारे देश में सात दिन तक कोई खमीर देखने में ना आए;...* (यहां बलिदान एक प्रतिछाया है: दुल्हन बलिदान में से निकल कर आ रही है जो कि मसीह है।) *... और जो पशु तू पहिले दिन की संध्या को बलि करे, उसके मांस में से कुछ बिहान तक ना रहने पाए,...*

156 और याद रखना—याद रखना कैसे हम कलीसियायी युगों में से होते हुए निकले? कलीसिया का सन्देशवाहक हमेशा ही उसके पहले वाली कलीसिया युग के खत्म होने पर ही आता है, हमेशा ही। पेंटीकोस्टल का मरना दुल्हन के रेपचर को आगे लाता है। समझे? लूथर का मरना आगे वेस्ली को लाया। देखा? वेस्ली का मरना आगे पेंटीकोस्टल को लाता है। पेंटीकोस्टल का मरना आगे अब संदेश को लाता है। यहां सारे, ये ठीक

यहाँ है, सारे वचन में से होते हुए नमूना है। वहां बाईबल में कोई एक वचन नहीं है लेकिन यह ठीक एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। समझे? ये सारे नमूने। मेरे पास शिक्षा नहीं है, लेकिन मेरे पास पवित्र आत्मा है जो मुझे दूसरे माध्यम से दिखाता है, जहाँ से इसे सिखाता है, उस प्रकृति से; और यह वचन के द्वारा है। ये वचन होना है, वे चीजे जो प्रतिज्ञा की गई।

... मांस... बलिदान पहले दिन का... सारी रात्रि रहे, भोर तक ना हो।

157 अब, यहां तक कि लूथर के पास सत्य था और उसने कलीसिया को शिक्षा दी, "धर्मी जन विश्वास के द्वारा जीवित रहेगा।" आप उसी में लटके रहना नहीं चाहेंगे, इसे सम्पूर्ण शिक्षा होना है, जो मैथोडिट युग में है। आप क्या करेंगे? इसे आग से जला देंगे। किसकी प्रतिछाया थी? वह संप्रदाय जो उस वचन से बाहर आती है, ये भूसी है, डंठल से, छिलका, अवश्य ही आग से जलाया जाना होगा। वह संप्रदायवाद का भाग जो उसमें से होकर आया अवश्य ही नहीं बचेगा, उसे मरना ही है। उसे दूसरे—दूसरे युग के आरंभ होने तक मत छोड़ो, इसे जला दो! अब वो यहां दुल्हन से बाते कर रहा है, केवल दुल्हन से, जो हर एक युग से होती हुई आ रही है।

158 ध्यान दें, कितना सुंदर है, "मेमने का लहू।" ये लोग मसीह की देह है, बलिदान: मेमने का लहू द्वार पर है। अब, याद रखें, मेमना जो घात किया गया जो कि मसीह की प्रतिछाया है।

159 या हम बहुत समय ले सकते हैं, लेकीन मेरे पास समय नहीं है... बस कुछ ही और मिनट के लिए यहां पर रुकता हूँ। हो सकता है मुझे यहां रुकना पडे और फिर आज रात्रि आरंभ करना पड़े, देखो, क्योंकि हम बहुत लंबे समय को ले रहे है। यह... इस पर मेरे पास लिखे हुए बीस पन्ने हैं, इस एक विषय पर।

160 अब ध्यान दें, इस पर, वो—वो मेमना मसीह के प्रतीकात्मक रूप में है। या जो क्या मैंने जो कहा वो ठीक है? प्रतिछाया; मसीह मेमना था। उसे एक नर होना था, वो पहला जो मादा भेड़ मां से था; या मादा भेड, जिसे आप हमेशा ही इसे बुलाना पसंद करते हैं।। ये अवश्य ही उसका प्रथम होगा। और उसे अवश्य ही पहले परखा गया और देखा गया कि उसमें कोई दोष तो नहीं है।

161 अब, मसीह परखा गया; मादा भेड़, कुवांरी मरियम से पहलौठा भेड़। और किसके द्वारा परखा गया? शैतान जो वचन का विरोधी है। जब उसने हवा पर प्रहार किया, वह गिर गयी; मूसा पर प्रहार किया, वह गिर गया; लेकीन जब वह भाग कर मसीह के विरोध में आया, और गलत वचन को गलत तरिके से हवाला देने कोशिश की, हूँ–हुंह, उसे पता चला कि ये मूसा नहीं था। समझे? वह परखा गया था। क्या किया... वह पीछे घूमा, उसने कहा, "*यदि* तू परमेश्वर का पुत्र है। अब उन्होंने मुझे बताया कि तू अद्भुत कामो को करता है, और वे मुझे बताते है कि मसीहा को ऐसा करना है। अब, यदि ऐसा है, तू भूखा है, तूने खाना नहीं खाया, इन रोटियों को बदल दे, मेरा मतलब इन पत्थरों को रोटी में बदल दे, और खा ले।"

162 उसने कहा, "ऐसा लिखा है, 'मनुष्य केवल रोटी से जीवित नहीं रहेगा।'" तुम्हारे मत–सिद्धांत, इत्यादि। लेकिन किसके द्वारा जीवित रहेगा? हर एक वचन! वचन का कुछ भाग? "हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है।" यही है जिसके द्वारा मनुष्य जीता है। समझे? मेमना परखा गया था, देखिए क्या वह कहीं पर भी गिरा था।

163 फरीसी कहते है, "हे रब्बी, तू जो युवा भविष्यवक्ता है, हम सोचते है तू बहुत बहुत ही अच्छा है। तू भला है।"

164 "तू क्यों मुझे भला कहता है? केवल एक ही है जो उत्तम है, और वो परमेश्वर है। क्या तुम इसका विश्वास करते हो? "

165 "ओह, हां। परमेश्वर।"

166 "तो ठीक है, तो मैं वही हूं।" हूँ–हुंह। "तूने कहा केवल एक ही उत्तम है। तू क्यों मुझे 'उत्तम,' कहता है जब कि तुम ये विश्वास नहीं करते कि मैं परमेश्वर हूं? " हूं–हुंह। "सो फिर तुम क्यों मुझे उत्तम कहते हो? कौन तुम्हे ऐसा कहने को लगाता है? तुम्हें ऐसा कहने को किसने प्रेरित किया, जबकि तुम जानते हो एक ही उत्तम है और वह परमेश्वर है? "

167 "हम जानते है तू मनुष्य की प्रतिष्ठा का सम्मान नहीं करता, ना ही उनके दर्जे के शब्दों की। हम ये जानते है।" यत्न... वह उन ढोंगीयो को जान गया। समझे?

168 उसे परखा गया था कि वह कहां पर खड़ा हुआ था, देखो, हर प्रकार से परखा गया, उसे परखा गया जैसे हम परखे जाते है। लेकीन वहां उसके

लिए बिल्कुल ही कोई हार मानना नहीं था। नहीं, श्रीमान! वो परमेश्वर का पुत्र था।

169 और मेमना परखा गया था, और चौदह दिनों तक रखा गया था। जो कि दो सब्त थे, या दो युग थे। एक यहूदियों के लिए जो कि उन्होंने प्रतिछाया में मेमने को चढ़ाया; एक अन्यजाति के लिए जिनके पास वो वास्तविक मेमना था, और वे सब इस आने वाले मेमने पर विश्वास करने के द्वारा सिद्ध होते है। लेकिन उसकी चौदह दिनों तक परीक्षा हुई... या चौदह दिनों तक जांचा गया, वो वचन था।

170 और आप पुराने नियम में जांच सकते है, कहते है "यह नए को दोषी ठहराते है।" आप गलत है! पुराना नियम केवल नए नियम के अभिलेख को रखता है।

171 ज्यादा समय नहीं हुआ एक व्यक्ति मुझे चुनौती देने जा रहा था, कहा, "उस व्यक्ति के साथ क्या समस्या है? " कहा, "अहा, वो यहाँ तक पुराने नियम से भी शिक्षा देता है।" एक मसीही प्रचारक, इस पर सोचे। कहा, "पुराना नियम खत्म हो गया और पूरा हो गया।" ओह, नहीं! ओह, नहीं! यह केवल एक विद्यालय का अध्यापक है, यह हमें दिखाने के लिए कि दीवार पर क्या लिखा है। समझे? तो ठीक है।

172 अब, देखिए, चौदह दिनों तक इसे परखा गया, वह मसीह था। अब ध्यान दे, तब सांझ के समय उसे मारा गया था, मेमने को मारा जाना चाहिए था। मसीह सांझ के समय मारा गया, दोपहर बाद। और फिर ध्यान दें, तब वो भी...

173 लहू द्वार के चौखट पर लगाना था, देखो, जो कि लहू है, जो जानवर का जीवन है। "तू उसका मांस खाना; लेकीन लहू जो कि उसका जीवन है, इसे उंडेल देना।" समझे? ये होना था... लहू को घर के दरवाजे की चौखट पर लगाना था जिसमें बलिदान को स्वीकार किया गया था। महिमा हो! जीवन क्या है? वो नाम। जो... उसने उस व्यक्ति का नाम को रखा... आप द्वार पर जाते है, और आप देखते है, दरवाजे पर क्या नाम है उसे देखते है, इससे पहले कि आप घंटी को बजाये। समझे? लहू दरवाजे की चौखट पर लगाया गया एक चिन्ह के रूप में कि भीतर क्या बलिदान हुआ था।

174 अब हम आराधना के स्थान को देखने जा रहे है, ठीक वहां, उस लहू के द्वारा आ रहा है। ध्यान दें, दरवाजे का लहू उस नाम को बोल रहा था कि क्या... अंदर क्या था, वे वहां अंदर थे। हमारा आराधना का स्थान, वह मेमना, जो वचन है। हम इसे जानते है।

175 अब, पद 4, ध्यान दें, "कोई रोटी ना छोड़ना, बलिदान में से कुछ ना छोड़ना," या, एक युग से एक लेना, दूसरे युग से एक।

176 पीछे जाने का यत्न करते है और कहते है, "भाई, अब, हम तो लूथरन है हम यहां पर आना चाहते है," आपको लूथरन युग के लिए मरना होगा, वेस्ली युग में जन्म लेने के लिए। आपको वेस्ली युग में मरना है पेंटीकोस्टल युग में जन्म लेने के लिए। और आपको पेंटीकोस्टल युग में मरना होगा, इसमें का कुछ भी ना छोड़े, इसे आग से जलाये, क्योंकि यह डंठल के समान जलने जा रहा है, जिससे कि गेहूं उसमें से बाहर आ जाये। डंठल, संप्रदाय इसे जलना ही होगा। इसलिए अपने संप्रदाय को इस नये सन्देश में ना लाए। अब यह वचन है। यही है जो संप्रदाय है, वो डंठल; इसने इसे आगे लाया, यह ठीक है; लेकिन ये *यहां* पर आ गया, तब डंठल मर जाता है। यह आगे ले जाने वाला था, संप्रदाय, लेकीन वचन ठीक आगे बढ़ता जाता है। जी हां, वचन ठीक आगे बढ़ता जाता है।

177 अब 5वा और 6वां पद ले। ध्यान दें, "ना ही... " अब आइये 5वा और 6वां पद ले।

> *फसह को अपने किसी फाटक के भीतर, जिसे तेरा यहोवा परमेश्वर तुझे दे बलि ना करना:*

178 अब याद रहे, "इनमें से किसी भी फाटक में नहीं।" प्रभु आपको इन संप्रदायो में अनुमति देता है, "ये फाटक।"

> *जो स्थान तेरा परमेश्वर... यहोवा अपने नाम का निवास करने के लिए चून ले केवल वही,...*

179 यही वो फाटक है, केवल स्थान है। "ना ही इसमें से कोई भी फाटक।" लेकीन परमेश्वर का एक फाटक है।

180 आप कहते है, "हर सुबह मैं मैथोडिस्ट के फाटक में प्रवेश करता हूं।" यही कलीसिया है। "हर सुबह मैं कैथोलिक के फाटक के अंदर जाता हूं।" हूं–हुंह। तो ठीक है, प्रभु उसके लोगों को उन फाटकों से अंदर

और बाहर आने जाने देता है। परमेश्वर के पास कैथोलिक कलीसिया में लोग है, मैथोडिस्ट कलीसिया में, प्रेस्बिटरियन कलीसिया में, उन सब में, पेंटीकोस्टल में। निश्चय ही, लेकीन... तुम प्रभु की आराधना उन फाटकों के अंदर नहीं करना। देखा? लेकीन प्रभु का एक निश्चित फाटक है। महिमा हो! उसका एक फाटक है।

> *लेकीन उस स्थान पर जिसे तेरा प्रभु परमेश्वर... अपने नाम के लिए स्थान चुन ले, वहां...* तू *फसह का बलिदान सांझ में करना,...*

181 रिबका ने इसहाक को कब पाया? एलीएजर ने उसे दुल्हन होने के लिए कब बताया? संध्या के समय!

ये सांझ के समय उजियाला होगा,
महिमा के मार्ग को आप अवश्य ही पाएंगे;
उस जल के मार्ग में आज उजियाला है,
यीशु के बहुमूल्य नाम में गाड़ा गया;
जवान और बूढ़े, सब अपने पापों से प्राश्चित करो,
पवित्र आत्मा निश्चत रूप से भीतर आएगा;
सांझ का उजियाला आ चुका है,
यह एक सच्चाई है कि परमेश्वर और मसीह एक है।

182 यह इसका आरंभ था, अब वो धुंधली हो गयी है आगे दुल्हन के उजियाले के अंदर। देखा मेरा क्या अर्थ था?

183 अच्छा होगा कि मैं यहां बंद करूं, आज रात को फिर से आरम्भ करूं, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि आप इस बात को छोड़ें, आप देखना। नहीं, नहीं, यह—यह रात के भोज का समय है। मैंने यहां पर बहुत सारी टिप्पणियों को लिख कर रखा है। ओह, प्रभु! आज रात को जारी रखना कैसा रहेगा, क्या ये ठीक रहेगा? [सभा कहती है, "नहीं। अभी।"—सम्पा।] हुह? तो ठीक है, यदि आप... आप चाहते है तो हम थोड़ा सा आगे जाने की कोशिश करे? ["हाँ। आमीन।"] अच्छी बात है, आइये तब हम थोडा आगे जायेंगे, हम जल्दी–जल्दी करेंगे। यह कैसा है?

184 अब, किसमें भीतर जाना है? "आप किसी भी फाटक के भीतर नहीं जाएंगे जो प्रभु परमेश्वर ने आपको दिया है, लेकीन उस फाटक पर जहाँ

प्रभु अपने नाम को रखेगा।" उस फाटक के—के घर में नहीं जाते है जो कि द्वार है। ये सही है? परमेश्वर अपने नाम को द्वार पर रखने जा रहा है, और आप नहीं... यही वो फाटक है जो आराधना के स्थान में जाता है, उस भवन में। आप अपने बलिदान के साथ इनमें से किसी भी फाटकों में मत जाना, लेकीन उस फाटक में जाना, जो प्रभु परमेश्वर ने अपना नाम रखने के लिए चुनता है। समझे?

185 अब, क्या उसने ऐसा किया? वह फाटक कहाँ पर है? संत यूहन्ना 10 में, यीशु ने कहा, "मैं वो फाटक हूँ, द्वार हूँ। परमेश्वर के घर का द्वार मैं हूं। भेड़शाला का द्वार मैं हूं।" ना कि बकरी के झुंड का, लेकिन भेड़शाला का। समझे? "भेड़शाला का द्वार मैं हूं। एक मनुष्य जो इस द्वार में प्रवेश कर सकता है, सुरक्षित रहेगा।"

186 अब हम इस पर लंबे समय तक बने रह सकते है। लेकिन समय को बचाने के लिए, वो भेड़शाला का द्वार है। अब, हम यहाँ ध्यान देना चाहते है, छाया और प्रतिछाया वास्तव में ठीक यहाँ दृश्य में है, लेकीन मैं... यदि मैं इस पन्ने को लेता हूँ... तो यह तुम्हें कुछ देर रोके रखेगा।

187 तो ठीक है, ध्यान दें, यह यीशु मसीह के सिद्ध दृश्य को लाता है। क्योंकि सारा पुराना नियम उसी की प्रतिछाया है, सारे पर्व, सारी आराधनाये, और हर एक चीज। और मैने यहाँ लिख कर रखा है, वचनों की इन पंक्तियों के नीचे, "इसका स्पष्टीकरण करना।" यही है जहाँ ये ज्यादा समय को ले लेगा। स्पष्टीकरण करना कि कैसे ये सारे पर्व... यहाँ तक की अन्न बलि भी मसीह की प्रतिछाया थी। आइए हम इस एक को लें।

188 एक समय एक—एक विद्यालय था जिसे सेवकों का विद्यालय कहा जाता था, या भविष्यवक्ताओं का विद्यालय। वे प्रशिक्षित किये गए, शिक्षित भविष्यवक्ता थे। और वहां एक सच्चा परमेश्वर का बुलाया हुआ भविष्यवक्ता था जो एक बार वहाँ उनसे मिलने के लिए चला गया। तो, वे उस बूढ़े भविष्यव्यक्ता को विनम्रता दिखाना चाहते थे, इसलिए उनमें से एक बाहर गया और उसने क्या सोचा कि मटर या फलियां का ढेर तोड़कर ले आयेगा; लेकीन ये जहर से भरे मटर थे, और वो इसे उन सबको खिलाने जा रहा था।

189 ओह! और हमारे पास कितने सारे धर्म विद्यालय भरे हुये है! समझे? सही है। वे कुछ तो पका रहे है। समझे? उनके पास मैथोडिस्ट भरे पड़े है, बैपटिस्ट भरे पड़े है, पेंटीकोस्टल भरे पड़े है। लेकीन, आप देखिए, वे

दूसरी उपज है, उस प्रकार के जिसे पेड़ में काटे जा सकते है। देखो, मुख्य दाखलता में नहीं। जो नींबू और खट्टे, और आदि–आदि उत्पन्न कर रहे है; ना कि संतरे, लेकीन चकोतरे होने का दावा करते है।

190 फिर से ध्यान दें। अब, इसमें—इसमें, जब वहां पर एलिय्याह आया और उनकी ओर देखा, और देखा कि यह जहर वाले मटर है जो कि इन हर एक को मार डालेगे, उन्होंने कहा, "हाय हमारे हांडे में मृत्यु है!"

191 उसने कहा, "मेरे लिए थोड़ा सा भोजन लेकर आओ।" और उसने खाने को उसमें डाल दिया, उसने कहा, "अब ये ठीक है, खाओ, जो तुम चाहते हो।" इसने मृत्यु को जीवन में बदल दिया।

192 और अन्न बलि जो दी गई थी... मसीह, वो अन्न बलि था, और अन्न बलि को अवश्य ही विशेष प्रकार की चक्की में पीसा जाना है जो की उसके हर एक छोटे अन्न के टुकड़े को एक सा कर दें, जो दर्शाता है कि वो कल, आज, और सर्वदा एक सा है। वो एक सा ही है जिसे आपके संप्रदाय में डाला जाये और ये जीयेगा: वो वचन! मसीह वचन है, हर एक चीज़ का नमूना है: आराधनालय, वो—वो भेंट की रोटी, हर एक चीज का। टूटी शुद्ध रोटी प्लेट के नीचे उसकी टूटी हुई देह थी, जिसे यहूदी अब भी इसे समझा नहीं सकते कि वे ये अब भी क्यों करते है। समझे? और ये सारी दूसरी चीजें उसका नमूना थी।

193 अब, फिर, वह दृश्य में है, अब हम देखते है सारे संप्रदाय और मत–सिद्धांत पीछे छूट गए; क्योंकि वो शुद्ध है, परमेश्वर का ना बदलने वाला वचन, जो कि अखमीरी रोटी है, संत यूहन्ना 1। यह ठीक बात है, वो अखमीरी रोटी है। इसलिए आप *इसे और उसे* मिलाते है, ये उसमें खमीर मिलाया गया है जो कि आपके लिए पहले मूल रूप में दिया गया था।

194 यहाँ पर देखिए। आज जाति को कौन मार रहा है? वे लेते हैं और चीजों को संकरित कर देते है। और जब आप संकरित करते है, तो आप इसे मार डालते है। "ओह, ये बहुत सुंदर दिखाई पड़ता है।" निश्चित ही! संकरित दाना: दाने के लच्छे और सारे अनाज जो दाने में से बाहर निकलते है। संकरित दाना: बड़ा, मोटा, अच्छे लंबे डंठल और बड़ी–बड़ी बालीयां, जो दुसरो से दुगना सुंदर दिखाई पड़ता है। लेकीन ये मृत्यु है! यहाँ तक कि विज्ञान ने भी यह मालूम कर लिया है। समझे? इसे संकरित ना करें, यह आपको मार डालेगा।

195 अब, यहाँ, मैं आपको दिखाता हूँ। उस दिन मैं अपने आंगन में कुछ फूलों को पानी दे रहा था। और महिला के पास कुछ संकरित फूल थे जो यहाँ छोटे से गमले में थे, या घर के पास छोटे–छोटे पौधे लगे हुए थे। हमें उनको सप्ताह में तीन बार पानी देना होता है, या चार बार, या तो वे मर जायेगे। और वहाँ बाहर आंगन में एक मूल पौधा खड़ा हुआ था। यहाँ छः महीने से वर्षा नहीं हुई थी, बस सूखा सा पड़ा था... यदि वर्षा होती, तो दस मिनट में, आप धूल फूंककर उडा सकते है। लेकीन ये छोटा सा पौधा वहाँ पर लगा हुआ था, बस उतना ही सुंदर और चमकदार, उस संकरित से बढ़कर जिसमें पानी डाला गया था। आप उसे पानी डालना बंद कर दें, वह मर जाएगा। लेकीन वो अपने लिए पानी कहाँ से लेता है? और दूसरी बात, आपको साथ ही साथ उसे प्रतिदिन या दो दिन में उस पर छिड़काव करना होता है, जिससे कि कीड़ों को उनसे दूर रखें। वे नहीं डालते है, तो कीड़े उसे खा डालेंगे, यह इतना कोमल और हल्का होता है। लेकीन वहां कोई कीड़े नहीं होंगे जो उस मूल खा को सके। नहीं, नहीं! वे उसके पास रेंगकर जायेंगे और रेंगकर वापस चले जायेगे। वो मूल है! देखा संकरित ने क्या किया है?

196 यही बात कलीसिया में है। वे संप्रदाय के साथ वचन को मिलाने की कोशिश करते है ताकि... वचन को ऐसा बताने की कोशिश करते है कि संप्रदाय क्या कहता है। और जब आप ऐसा करते है, तो आपको उस पर छिड़काव करना पड़ता है, और उनकी देखभाल करना पड़ता है, और— और सन्डे स्कूल आने के लिए उन्हें गोल्ड स्टार देते है और बाकी की हर एक चीज करते है। ये ठीक बात है। जब, एक सच्चा, फिर से जन्म पाया मसीही, परमेश्वर के वचन से जन्म लेता है, तो वह मजबूत होता है। यह आप है। वे कीड़े और संसार की चीजें उसे परेशान नहीं करती। वो एक उकाब है, वह उड़कर पार कर लेता है। देखिए, आकाश के बहुत ही ऊंचाई में होता है। समझे? यह सत्य है। और कुछ नहीं...

197 ध्यान दें। अब, हमें यहाँ अवश्य ही समझना चाहिए, संप्रदाय, मत–सिद्धांत, और कोई भी चीज जो खमीर वाली रोटी में मिलाया जाता है, इसे अखमीरी रोटी के साथ नहीं मिला सकते। और यहाँ पर बाइबल पवित्र भोज की पूर्वछाया में, आराधना में जाने के लिए, कि कोई भी अखमीरी अपने साथ नहीं ले जा सकते, और परमेश्वर इसे स्वीकार करेगा।

198 आप कहते है, "मैं मैथोडिस्ट हूँ।" आप ठीक वहीं पर मर जाते है! "मैं पेंटीकोस्टल हूं।" आप मर जाते है!

199 मैं मसीह का हूँ। यह सही बात है। आपको किसी चीज़ पर खड़ा होना है। ये ठीक बात है। आप—आप किसी चीज़ पर खड़े हुए है।

200 एक बार चर्चिल ने कहा, दो उंगलियों को ऊपर उठाया और कहा, "हमें विजय मिल गई।" और इंग्लैंड इस बात पर खड़े रहे, उन्होंने चर्चिल का विश्वास किया।

201 और इसे विश्वास करें या न करें, आज सुबह, आप किसी बात के साथ खड़े हुए है। वहां केवल एक ही चीज़ है जिसे आप जी सकते है और साथ में खड़े हो सकते है, और यह मसीह है, वो वचन। सच है!

202 ध्यान दें, बाईबल में संप्रदायो की कोई भी प्रतिछाया नहीं सिवाये बाबुल के। और बाबुल निर्मोद के द्वारा संगठित किया गया और निर्मोद एक स्वधर्म त्यागी या विश्वासघाती था। उसके पास वहाँ पर महिलाओं का झुंड था, जो उसकी रानी समझी जाती थी, जो भविष्यवक्तनी थी। वे यहाँ तक ये भी सोचते हैं कि वह पुराना बालाम उसी भाग से आया, उनके पास वंशावली और आदि थे। उन्होंने आराधना की आप जानते है (आपमें से बहुत से पढने वाले जो हिसलोप की *दो बाबुल* और आदि–आदि किताब पढ़ रहे है, और कलीसिया का इतिहास), और उन्होंने—उन्होंने किस प्रकार से किया। और उनके पास महिलाये थी जिन्होंने *इसे* किया, और महिलाओ को... एक देवी और सब कुछ कहते, और ये एक जबरदस्ती का धर्म था। हर कोई, हर एक शहर जो बाबुल के आसपास था उन्हें आने के लिए विवश किया गया कि बाबुल में आकर निर्मोद की अधीनता में उस मीनार पर आराधना करें। समझे? ये ठीक बात है। वे इसे करने के लिए विवश किये गए थे। यही है जहाँ पर गड़बड़ी आ जाती है।

203 और बिल्कुल ऐसे ही आज कलीसियाये है, "यदि तुम सन्डे स्कूल नहीं आओगे, यदि आप *ऐसा* नहीं करते, *इसे* करने के लिए आपको काम पर रखते है *ये* करो और *वह* करो, नहीं तो तुम दृश्य से बाहर हो जाते है।"

204 वहाँ ट्यूसान में, आज सुबह सुन रहा था, एक बार, मैंने सोचा... मैं हमेशा लोगों पर दबाव डालता हूँ, "कलीसिया जाओ, कोई फर्क नहीं पड़ता

आप कहाँ जाते है।" और मैने देखा लोग एक प्रकार से पिछड़ रहे थे, और *इस* ओर जा रहे थे। और मैने सोचा, "क्या मामला है? "

205 मैं उनमें से कुछ लोगो के पास गया, "पहले दिन आप वहाँ पर होते है, वे आपसे मिलेंगे, 'हमारी कलीसिया में जुड़े।' यदि आप ऐसा नहीं करते तो आपको स्वीकार नहीं करेंगे।" समझे? समझें? ये दबाव डालने वाली बात है, देखो यह आप पर दबाव डालते है, और यही बाबुल है। लेकीन मसीह में, आप चुनाव के द्वारा आते है; ना ही दबाव के द्वारा, आपका हृदय आपको अंदर की ओर खींचता है।

206 तो फिर परमेश्वर ने अपना नाम बाबुल में नहीं रखा। अब ध्यान से सुने। वह अपना नाम बाबुल में नहीं रख सकता है, कलीसियाओ में। ओह, वे, *उसका* नाम वहाँ पर रखते है, लेकीन उसने कभी नहीं रखा। नहीं।

207 आप कहते है, "अच्छा, अब भाई ब्रन्हम!" रुकीए, रुकीए बस, एक मिनट शांत बैठिये। आपने कहा था कि और थोडे समय को ले। क्या आप नहीं देख सकते है? अब ध्यान दें, *उन्होंने* उसका नाम वहाँ रखा, लेकीन उसने नहीं रखा।

208 अब, उसने कहा, "वह स्थान जहाँ मैं तुमसे भेंट करने जा रहा हूँ और तुम्हारे बलिदान को स्वीकार करने जा रहा हूँ जहाँ मैंने अपना नाम रखने के लिए चुना है। आप इस फाटक के अंदर आए, ये द्वार जहाँ मैने अपना नाम रखने के लिए चुना है। यही है जहाँ तुम आते हो।"

209 ठीक है, ये रखते है, "ये मसीह की कलीसिया है।" यदि इस घोषणा में कोई गलती है, तो उन्होंने एक शब्द छोड़ दिया: "विरोधी।" हू–हुंह, जो सब जो उसने शिक्षा दी, वे इससे असहमत होते है। आधुनिक फरीसी।

210 लेकीन हमें अवश्य ही ढूंढना है कि उसने अपना नाम कहाँ रखा, क्योंकि इसमें केवल ये ही उसका दिया गया फाटक है। आमीन! महिमा हो! ध्यान दें! उसने अपना नाम कहाँ रखा है? अपने पुत्र में।

211 "ओह," आप कहते है, "भाई ब्रन्हम, अब एक मिनट रुके। यह पुत्र था, ना कि पिता।"

212 पुत्र हमेशा हर स्थिति में अपने पिता के नाम को लेता है। मैं इस धरती पर ब्रन्हम नाम से आया हूँ क्योंकि मेरे पिता का नाम ब्रन्हम था।

213 यीशु ने कहा, "मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ, और तुम मुझे स्वीकार नहीं करते।" आप इस पर वचन को चाहते है? संत यूहन्ना 5:43। समझे? "मैं—मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ, और तुम मुझे स्वीकार नहीं करते।" तब पिता अपने खुद के नाम को देता है जो की "यीशु," है पुत्र में। और वो मार्ग है, वो द्वार है, वो घर है, वो जहाँ पर परमेश्वर ने अपने नाम को रखने के लिए चुना है। परमेश्वर ने कभी भी अपने नाम को मुझमें नहीं रखा, उसने कभी भी इसे कलीसिया में नहीं रखा, उसने कभी भी मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, कैथोलिक में, अपना नाम नहीं रखा, लेकिन उसने इसे मसीह अभिषिक्त इम्मेनुएल में रखा।

214 और वो नाम वचन में है क्योंकि वो वचन है। आमीन! तो फिर वो क्या है? अनुवादित किया गया वचन परमेश्वर का प्रगट हुआ नाम है। कोई आश्चर्य नहीं। "मांस और लहू ने इसे तुम पर प्रगट नहीं किया, लेकिन मेरे पिता ने जो स्वर्ग में है, इसे तुम पर प्रगट किया है, कि मैं कौन हूं। और इस चट्टान पर मैं अपने आराधना के स्थान को बनाऊंगा और अधलोक के फाटक इसे हिला नहीं सकते।" आमीन! वो परमेश्वर की जीवित कलीसिया, अकेली यीशु मसीह के ठोस बुनियाद पर खड़ी है। आप गीत गा सकते है, लेकिन यदि आप मसीह उस वचन पर नहीं है, तो आप एक लडखडाती हुई, धंसने वाली रेत पर है। "लेकीन इस चट्टान पर," मसीह, "मेरा वचन,"

215 उसने लूथर के संदेश को बनाया और उन्होंने इसे संप्रदाय कर दिया। यह बढ़ रहा था, पैरो के कदम। उसके बाद वो पैर वाले भाग में बढा, मैथोडिस्ट, और इत्यादि। यही है जहाँ उसने अपनी कलीसिया बनायी, उसके वचन पर! अब, वह सम्पूर्ण पैर या सम्पूर्ण जांघ नहीं है, वो एक देह है; और अब ऊपर का ढकने वाला भाग है। क्या आपने पिरामिड में ध्यान दिया? जो कि, मैं अब पिरामिड धर्म को नहीं प्रचार करता।

216 लेकिन पहली बाईबल जो कभी लिखी गयी, वह आकाश में लिखी गई, नक्ष–... [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] क्या आपने इस पर ध्यान दिया? यह कन्या से आरंभ हुआ, नक्षत्र का पहला आकार। अंतिम आकार लियो वो सिंह है। वो पहले कुंवारी के द्वारा आया, वो अगला यहूदा के गोत्र के सिंह की नाई आता है। ठीक इसके पहले, कर्क याने कैसर युग, एक आडी तिरछी मछली, बाकी के सारे युग। यदि हमारे पास इसमें होकर जाने का समय होता था; जो कि हमारे पास, आराधनालय में है।

217 और पिरा... पिरामिड की उन बुनियादो के होने पर, ऊपर उस राजा के कक्ष के अंदर। और सातवीं दीवार के पहुंचने के ठीक पहले, वहाँ पर छोटा सा परिचय का तख्ता है, जहाँ पर से एक संदेशवाहक बाहर आता है कि आपको राजा की ओर ले जाए। (सन्देशवाहक, यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला, जिसने राजा का परिचय करावाया।) लेकीन चोटी के पत्थर को ठुकराया गया। और वे नहीं जानते, मुलायम रोटी का पत्थर, या ये जो भी है, वे नहीं जानते कि ये कहाँ पर है, क्योंकि यह एक ठुकराया हुआ पत्थर है। लेकीन यही वो पत्थर हैं जो सारी चीजों को ढांकता है, जो इसे पिरामिड बनाता है इस सम्पूर्ण सात कलीसियायी युगों में से होते हुए। अनुग्रह को जोडे, *इसे* जोडे, *उसे* जोडे, वहाँ पर सात जोड़ है, अंतिम एक मसीह है। *इसमें* अपने दैविक प्रेम को जोडे, अनुग्रह को जोडे, आपके अनुग्रह पर कुछ तो और चीज को जोडे, और कुछ तो और चीज को जोडे, जब तक ये मसीह पर न पहुंच जाए जो कि चोटी का पत्थर है, "और मैं वो द्वार हूँ।"

218 अब, एक पुत्र हमेशा अपने पिता के नाम में आता है। कोई भी पुत्र अपने पिता के नाम से आता है। और यीशु ने कहा, "मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ।" तो फिर पिता का क्या नाम है? पुत्र का क्या नाम है? और उसने कहा, "और थोड़ी देर रह गयी है और संसार मुझे और न देखेगा, तो भी तुम मुझे देखोगे।" जी हाँ, वह पवित्र आत्मा के रूप में आता है, वही वो नाम यीशु है। यही वो कारण है कि वे आराधना कर रहे थे, "हे यीशु!" समझे? देखा? पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा: ये प्रभु यीशु मसीह है। बस ऐसा ही है। "मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ, और तुम मुझे ग्रहण नहीं करते।"

219 अब, याद रखे, उसने यहाँ पर भी जोड़ा और हमें चेतावनी देता है, "दूसरे आयेंगे," एक संप्रदाय, एक मत–सिद्धांत। "वे उनके नाम में आएँगे और तुम उन्हें स्वीकार करोगे। तुम मुझे स्वीकार नहीं करते, वो वचन जो प्रमाणित हुआ और तुम्हारे सामने साबित हुआ।"

220 जैसा वो ठीक उस वक्त था वैसा ही वो आज है। इससे चूकना मत, इस राष्ट्र के लोगों! "दूसरा आएगा, एक कलीसिया, और तुम उसका विश्वास करोगे, क्योंकि तुम उसे किसी तरह से भी विश्वास कर सकते हो। मैं इसकी पुष्टि नहीं करूंगा।" वो कभी नहीं करता है (कभी किसी भी समय नहीं की) किसी भी चीज़ की पुष्टि नही की (किसी भी कलीसिया में) इस संदेश के

बाहर, जो दिया गया था: लूथर का धर्मीकरण; वैसली का, पवित्रीकरण; पेंटीकोस्टल, दानों का लौटाया जाना। बाद में... और जैसे ही उन्होंने इसमें से नामधारी संस्था बनाया, वे वहीं पर मर गए। वचन में देखे।

221 लेकीन उसने कहा, "मैं अपने नाम को रखने के लिए स्थान को चुनूंगा।" और वो नाम यीशु था। और यीशु वचन था, संत यूहन्ना 1। क्या ये सही है? यही वो आराधना का स्थान है, मसीह वचन में। "मैं अपने पिता के नाम से आया हूँ।"

222 भविष्यव्यक्ता ने कहा, "उसका नाम इम्मेनुएल कहलाएगा।" ये मत्ती 1:23 है, यदि आप चाहें तो वहां लिख कर रख ले। यीशु, यहोवा, बचाने वाला।

223 अब, 5वा पद ये दर्शाता है कि वो द्वार है। अब तक, बहुत से अनदेखे प्रमाणों के द्वारा, यह फाटक, और नाम, और स्थान साबित हो सकते हैं कि वहां केवल वही एक स्थान है जहाँ आराधना में परमेश्वर मनुष्य से भेंट करता है, और यही है जब वो मसीह में होता है।

224 अब, जो प्रश्न है, "हम उसमें कैसे आते है? " अब, यह थोड़ा सा चुभ सकता है; लेकिन, आप जानते होंगे, दवा लेने की तरह, क्या ये आपको बीमार नहीं करता, ये आपको कुछ फायदा नहीं करता है। समझे?

225 अब, लुथरन एक जरिये से भीतर आना चाहते थे, लुथरन कलीसिया के सदस्य बनने के द्वारा। मैथोडिस्ट चिल्लाने के द्वारा अंदर आना चाहते थे। पेंटीकोस्टल अन्य भाषा बोलने के द्वारा भीतर आना चाहते थे। ऐसा अब भी नहीं है! समझे? नहीं, ये तो दान, इत्यादि है। लेकीन पहला कुरिन्थियों 12 कहता है, "एक आत्मा के द्वारा।" परमेश्वर का आत्मा, जो की वचन के जीवन को देने वाला है (वो बीज), उस बीज को प्रमाणित करने के लिए उस ऋतु के लिए। समझे?

226 यहाँ वो मैथोडिस्ट युग का बीज पर रखा हुआ है, इसने पवित्र आत्मा को लिया है कि बीज को जीवन में लाये और शुद्ध... कलीसिया को पवित्रीकरण के द्वारा शुद्ध करे; लूथर ने इसे प्रचार नहीं किया, क्योंकि वो इसे नहीं जान पाया। पेंटीकोस्टल लोग अन्य जुबान में बोलना चाहते थे दानो के वापस लौटाये जाने के लिए। हर एक घोषित करता है, "यहीं है! यहीं है!" समझे?

227 "लेकीन एक ही आत्मा के द्वारा हम सबने एक ही देह में बपतिस्मा लिया," और यह देह एक परिवार है, परमेश्वर का परिवार। और यही परमेश्वर का घर है, और परमेश्वर का घर यीशु मसीह का नाम है। "प्रभु का नाम ऊँचा गढ़ है, धर्मी जन इसके अंदर जाते है और सुरक्षित है।"

228 अब, आप कैसे उस एक उपाधि के द्वारा इसमें आते हैं? आपका चेक कैसे स्वीकार किया जायेगा ये कहने के द्वारा कि, "आदरणीय डॉक्टर, सेवक के—के नाम पर भुगतान करे"? समझे? समझे? हो सकता है आप ही आदरणीय, डॉक्टर, सेवक हो। लेकीन प्रभु का *नाम* "यीशु मसीह है।" समझे?

229 "मैने अपनी आराधना के लिए घर के द्वार पर नाम को लिखने के लिए चुन लिया है, मेरे परिवार के लिए जो वहाँ लहू के नीचे इकठ्ठा होगा; जैसा ये मिस्र में था, इसके बाहर हर एक चीज मरी हुई है। और वहाँ उसमें कोई खमीर की रोटी नहीं है! इसमें कहीं भी संप्रदाय की मिलावट नहीं है, मेरा घर! मेरी संतान, मेरे वंशाणु से उत्पन्न हुए!" आमीन! परमेश्वर की महिमा हो! "उनमें मेरे वंशाणु है! मेरा... मैं अपने वचन को उनमें रखूँगा। मैं उनके हृदय की पटिया पर लिखूंगा। यही मेरा परिवार है, यीशु मसीह की देह का परिवार; वो परिवार। और ये द्वार से तुम इसमें से अंदर आओगे, ना ही मैथोडिस्ट, बैपटिस्ट, या पेंटीकोस्टल, लेकीन उस द्वार में जहाँ मैने अपना नाम रखा है।" ये मैथोडिस्ट का नहीं है। परमेश्वर का नाम मैथोडिस्ट नहीं है। परमेश्वर का नाम पेंटीकोस्टल नहीं है। परमेश्वर का नाम बैपटिस्ट नहीं है। परमेश्वर का नाम कैथोलिक नहीं है। तो फिर इन दरवाजों से दूर रहे। समझे? समझे? समझे?

230 "लेकिन एक स्थान में जहां मैं अपने नाम को रखना चुनता हूं।" अब, बाइबल में और कोई स्थान नहीं दिया गया है जहाँ परमेश्वर ने कभी अपना नाम रखा हो, केवल यीशु मसीह में, क्योंकि वो परमेश्वर का पुत्र है, परमेश्वर के नाम को लेते हुए और परमेश्वर का मानव नाम। "और वहां आकाश के नीचे कोई दूसरा नाम नहीं दिया गया है जिससे आपको अवश्य ही बचाया जाना है।" मुझे परवाह नहीं करता, मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, कैटेचिस्म, या जो कुछ भी आप करना चाहते हैं; केवल यीशु मसीह के नाम के जरिये से जहां हर एक घुटना झुकेगा और हर जीभ उसका अंगीकार करेगी, कि वो प्रभु है। यही है जिससे आप अंदर आते हैं।

231 और यदि आपने जल में ठीक—ठीक बपतिस्मा लिया था, और फिर वचन का इन्कार करते है, तब आप नाजायज हो; आपका जन्म सही नहीं था। आप दावा करते हैं कि आपने तब उस पर विश्वास किया था, और आप उसका इन्कार करते हैं।

232 मैं भला अपने परिवार का कैसे इंकार कर सकता हूँ? जब... भला मैं चार्ल्स ब्रन्हम को अपना पिता होने से कैसे इंकार कर सकता हूँ? द्वार पर का एक लहू परीक्षण इसे दिखाता है। हूँ–हुंह।

233 मेरी प्रतिक्रिया, और मेरे जीवन में परमेश्वर के वचन की पुष्टि ये दिखाती है कि मैं परमेश्वर की संतान हूँ या नहीं। अब, केवल यही वो परमेश्वर का स्थान है। इसे देखा? एकमात्र स्थान जहाँ परमेश्वर आपके बलिदान को स्वीकार करेगा (मैं परवाह नहीं करता आप कितने ईमानदार हैं) ये मसीह में है।

234 और याद रखना... आप कहते हो, "अच्छा, मुझे विश्वास था; मैं भी अंदर आया हूँ।" याद रखें, बाइबल कहती है... आप कहते हैं, "तो ठीक है, बाइबिल ने कहा, 'जो कोई यह विश्वास करता है कि यीशु मसीह परमेश्वर का पुत्र है, वह बच गया है, वह बच जाएगा।'"

235 ये ऐसा कहता है, पर याद रखना ऐसा *भी* लिखा है, ऐसा *भी* लिखा है, "कोई भी मनुष्य यीशु को मसीह नहीं कह सकता, केवल पवित्र आत्मा के द्वारा ही।" समझे? हो सकता है आप कहे, "वो है," लेकिन उसके द्वारा नहीं है जब तक पवित्र आत्मा स्वयं ना कहे, जो कि वचन को जीवन देता है, इसे प्रमाणित करने के द्वारा साबित करता है कि आप परमेश्वर के पुत्र है। यही वचन है।

236 "वो स्थान जिसे मैने अपना नाम रखने के लिए चुना है। आप किसी और द्वार पर आराधना नहीं करेंगे, लेकीन उस द्वार पर जहाँ मैने अपना नाम रखा है; तब मैं तुम्हें ग्रहण करूँगा, तुम मेरे परिवार में हो।"

237 अब, परमेश्वर का परिवार, जो परिवार के पिता की आज्ञा का पालन करता है। "और वो शांति का राजकुमार है, सामर्थी परमेश्वर, सनातन का पिता; और उसकी प्रभुता और राज्य का अंत न होगा, प्रभुता उसके कंधे पर होगी।" और वो अधिकारी, राजा, इम्मेनुएल, पहला, अंतिम, शांति का

राजकुमार, सामर्थी परमेश्वर, सनातन का पिता होने के नाते, उसकी हर एक संतान उसके हर वचन का पालन करती है क्योंकि वे उसका भाग है।

238 हम अपने परिवार में उसी तरह से जीते है जैसे ब्रन्हम जीते है। आप अपने घर में जीते है, जॉनसेस, जैसे जॉनसेस जीते है।

239 और परमेश्वर के घर में हम वचन के द्वारा जीते है और हर एक वचन जो परमेश्वर के मुख से निकलता है; और कोई और, धोखेबाज, हम उसकी नहीं सुनते है। समझे? "तुम अखमीरी रोटी खाओगे, हर एक कलीसिया काल, वैसे ही जैसे मै इसे तुम्हे देता हूँ।" लेकीन वापस पीछे जाने की कोशिश ना करना कि उसमें कुछ मिलाये, क्योंकि यह डंठल के अंदर आ गया है। "आप हड्डी और आदि लेंगे जो की बलिदान से बचा हुआ है और उन्हें जलायेगे!" समाप्त हो गया, कलीसियायी युग ख़त्म हो गया, आगे बढ़ा; अब हम दूसरे एक में है। आमीन!

240 "वह स्थान जो *मैने* अपना नाम रखने के लिए चुना।" ओह, प्रभु! पहला कुरन्थियो 12।

241 ध्यान दें, इफिसियों 4:30।

> *... परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकीत मत करो जिससे* तुम *पर तब तक मोहर की गई है* (अगली बेदारी तक?)... *छुटकारे के दिन के तक।*
>
> *... परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकीत मत करो, जिससे तुम पर छुटकारे के दिन तक के लिए मोहर की गई है।*

242 अब ध्यान दें। आइये हम इसे हमारे वचन के विषय पर लागू करें। तब अच्छा होगा कि हम आगे चले; मैं सोचता हूँ कि मैं लोगों को थका रहा हूँ। देखा? [कोई कहता है, "नहीं, भाई ब्रन्हम, आप नहीं थका रहे हैं।"—सम्पा।] यहाँ पर देखे, लोग उठ कर घर जा रहे है, आप देखें, क्योंकि उन्हें—उन्हें खाना बनाना है और किसी से वे मिलना चाहते हैं। उन्होंने आशा नहीं की थी कि उन्हें आकर सारा दिन सुनना होगा। देखा? लेकीन, देखिए, आप जानते हैं...

243 [भाई बेन ब्रायंट ने कुछ कहा—सम्पा।] बेन, ओह, मुझे आप पर ध्यान देना चाहिए! आशीष मिले! धन्यवाद, भाई बेन। मैं आप से प्रेम करता हूँ, भाई बेन।

244 यदि आप जानते उस लड़के ने हमारे लिए उस युद्ध मैं कितना दु:ख उठाया; उसे गोलियों से छलनी कर दिया, और उड़ा दिया और सब कुछ। वो जीवन में हर एक चीज से होकर गया था, लेकीन परमेश्वर ने उसे आशीषित किया। वह सच्चा बना रहा। उसकी पत्नी उसे छोड़ गयी, भाग गयी और फिर से विवाह कर लिया, और उसके बच्चो को ले गयी। ओह, मैं इस विषय पर सोच भी नहीं सकता।

245 लेकीन, जो भी हो, बेन, परमेश्वर आपको आशीष दे।

246 वो बम के टुकडो से भरा हुआ है, जो उसके नसों के निमित दबाव दे रहे हैं और बाकी की सारी चीजे। जो कि, आपको उन बातों की पुष्टभूमि को जानना चाहिए, आप देखिए। परमेश्वर, उस लड़के को आशीष दे। जी हाँ।

... जहाँ तुम छुटकारे के दिन तक मोहर बंद किए गए हो।

247 ध्यान दें! यह आपको थोड़ा सा चुभ सकता है, लेकीन ध्यान दें। मेरे साथ वाद–विवाद नहीं करना। याद रखें।

248 जब एक बार इस्राएल ने उस द्वार की ओर देखा, उस द्वार पर लहू लगा हुआ था, नाम (वो लहू, वो जीवन), और उस लहू के नीचे से प्रवेश किया, वे कभी फिर से बाहर नही निकले, जब तक कि वे मिस्र से बाहर नहीं निकले।

... परमेश्वर के पवित्रा आत्मा को शोकीत ना करो, जहाँ आप प्रवेश करते हैं और उसके बाद फिर से बाहर नहीं निकलते है जब तक कि आपका छुटकारा न हो जाता है। (समझे?)

249 आप जानते है, कि बाईबल हमेशा सही होती है। वो वचनों को उसमें रखता है, आपको इसे वहाँ रखना होगा जहाँ ये जाता है, ताकि इसे छुटकारे की पूरी तस्वीर बनाए। समझे? देखा?

... परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकीत मत करो, जिसमे जब तक *तुम्हारा छुटकारा ना हो मोहरबंद हो।* (आपका छुटकारा होने तक।)

250 आप उसमें मोहरबंद हो, आप लहू के नीचे हो। अब आप और बाहर नहीं जाते। और तो फिर आप क्या है? परमेश्वर के पुत्र परमेश्वर के परिवार में, पवित्र आत्मा के द्वारा मोहर बंद किए गए। शैतान तुम्हे नहीं पकड सकता यदि वह चाहें तो भी; क्योंकि आप मरे हुए है, आपका पुराने पति का भाग

मर गया है; और आप गाढे गए है, और आपका जीवन मसीह के द्वारा परमेश्वर में छिपा हुआ है, और पवित्र आत्मा के द्वारा आप मोहरबंद किए गए है। वो भला आपको कैसे पकड़ेगा? आप कैसे बाहर जाने वाले हैं? आप वहाँ है! महिमा हो! अब मैं इसे छोड़ दूंगा; बस इतना ही काफी है कि आप जान जायेंगे कि मैं किस विषय में बात कर रहा हूँ।

251 फिर एक नई सृष्टि, ना की एक संप्रदाय के लिए लेकीन वचन के लिए। आप वचन की सृष्टि है। क्योंकि नीव का पत्थर आपमें जगत के बुनियाद डालने से पहले रखा गया था, पहले से ठहराए गए परमेश्वर के पुत्र और कन्या होने के लिए।

252 और इस पर पत्थर पर पत्थर आता है, हर एक युग में, उस वचन को प्रमाणित करने के लिए जो वचन आ रहा है, ठीक वैसे ही जैसा यीशु ने अपने युग में किया, जो कि सबका चोटी का पत्थर है। उसी में सारे युग रखे गए है। यीशु में मूसा था। यीशु में दाऊद था। यीशु भविष्यवक्ता थे। क्या यह सही है? यूसुफ की ओर देखे, जिसे लगभग तीस चांदी के सिक्कों में बेचा गया, फेंका गया, यह मान कर कि मर गया, बाहर निकाला गया, जाकर और फिरौन के दाहिने हाथ पर आ बैठा। देखिए, ठीक, यीशु था... यूसुफ यीशु में था।

253 और जब वो आया, वो राजाओं की, भविष्यवक्ताओं की परिपूर्णता था (हाल्लेलुय्या), परमेश्वरत्व पूरी तरह से उसकी देह में विश्राम किया। वो उसमें से एक दुल्हन को छुड़ाने आया, एक सर्वोत्तम रचना। एक सर्वोत्तम रचना जो शैतान से यह कहती हैं...

254 जब वह कहता है, "आश्चर्यकर्मो के दिन बीत गये। ऐसी कोई चीज़ नहीं है जिसके विषय में तुम बातें कर रहे हो।"

255 "शैतान, मुझसे दूर हट।" देखा? देखो, एक सर्वोत्तम रचना खड़ी है और चौकसी कर रही है।

256 किसी समय चोटी का पत्थर वापस आयेगा, इस सब का सिर, और दुल्हन को अपने लिए ग्रहण करेगा; स्त्री जिसे पुरुष में से लिया गया है, एक पुरुष का भाग। हर एक... पुरुष का गुणसूत्र स्त्री में होता हैं जो स्त्री को बनाता है। और इसी प्रकार से परमेश्वर का वचन कलीसिया में है, जो कि कलीसिया, दुल्हन को बनाता है। ना कि एक संप्रदाय, यह शैतान की ओर

से है, उनमें से हर एक। मैं वहां उसमें के लोगों को नहीं कह रहा हूँ; वे बेचारे भरमाये हुए लोग हैं, जैसा यीशु ने कहा, "अंधा अंधे को मार्ग दिखाता है।" और वो उन्हें बाहर नहीं बुला सकता है।

257 और उन्होंने कहा, "क्यों, तू व्यभिचार से जन्मा है! यहाँ तुम्हारे पास आने के लिए कौन तुझे बताता है? कौन सा विद्यालय, कौन से धर्म विद्यालय ने तुझे मान्यता दी है?" कहा, "यहाँ हमारे पास मूसा है। हम जानते... "

258 उसने कहा, "यदि तुमने मूसा को जाना होता, तुम मुझे भी जानते।"

259 क्योंकि मूसा ने अपनी चार किताबो में उसके लिए लिखा था, "प्रभु तुम्हारा परमेश्वर एक वचन को देने वाले को खड़ा करेगा, या, एक भविष्यवक्ता, मेरे समान, और जो उस भविष्यवक्ता की नहीं सुनेगा वह लोगों के बीच में से अलग किया जाएगा।" इसके लिए यही सब है। और वो क्या है? वचन। और ये क्या है? कोई भी खमीर ना छोड़ना... इसके बीच में कोई खमीर ना डालना। कोई मत–सिद्धांत को ना मिलाना, ना कोई संप्रदाय, क्योंकि ये ठीक वहीं पर दूषित हो जाता है, तुम्हारा बलिदान बेकार हो जाता है।

260 आइए अब जल्दी–जल्दी करें, जल्दी से, कि आप जाकर खा सकें।

261 ध्यान दें! अब, फिर, आप परमेश्वर के घर में परमेश्वर के पुत्र है, आप परमेश्वर के अर्थव्यवस्था के भाग है। रोमन 8:1, "अब जो मसीह यीशु में हैं, उन पर दंड की आज्ञा नहीं।" क्योंकि वे संसार के लिए मर गए, और उसमें जीवित है, और आज वर्तमान के दिन जीवित है, वे वचन बन रहे हैं जो परमेश्वर ने उनका प्रयोग किया या उन्हें पहले से ठहराया, उनके नाम को दुल्हन की किताब में रखते हुए। और जब जल उस बीच के ऊपर आता है, जो हृदय के अंदर है, इसे मसीह की दुल्हन में ऊपर बढ़ाता है। ओह, प्रभु! उतना ही सिद्ध जितना ये हो सकता है। हर युग में ये इसी प्रकार से है।

262 लूथरन धर्मीकरण के नीचे, वो पैर, इस प्रकार से इसे बढाया; वैसली, पवित्रीकरण के नीचे। पेंटीकोस्टल हाथों के नीचे, वे काम, कार्य और इत्यादि, जिसे केल्विनवादी होना था... या आर्मीनियन होना था, नियम

मानने वाला होना था। लेकीन अब हम सिर तक आ गए है, चोटी का पत्थर। "अनुग्रह! अनुग्रह!" चोटी के पत्थर ने चिल्लाया।

263 चोटी का पत्थर क्या चिल्ला रहा है? "अनुग्रह! अनुग्रह!" मृत्यु और मत–सिद्धांत से पार होकर, जीवित परमेश्वर के जीवित वचन के अंदर आ गए। परमेश्वर की उसके युग के लिए एकमात्र प्रदान की गयी योजना, उसके पुत्र वचन के युग में आत्मा के द्वारा जिलाये गये जैसे कि एक चिंगारी जो किसी चीज़ को प्रज्वलित करके जीवंत करता है; और अब स्वर्गीय स्थानों में बैठे है (वर्तमान काल में), जीवंत हो चुके है और वचन में हर एक प्रतिज्ञा के अधीन है। तब यह क्या करता है? आप परमेश्वर के एक जीवांश होने के नाते, वचन का एक भाग, अन्य मनुष्य परमेश्वर का वचन का भाग है, एक साथ बैठे हुए हैं, मसीह की सम्पूर्ण देह को प्रगट करते है, क्योंकि तुम्हारे मध्य में कोई खमीर नहीं है। (देखा वह किस विषय में बात कर रहा है, भाई ब्राउन?) तुम्हारे बीच में कोई खमीर नहीं बस केवल वचन, जो स्वर्गीय स्थानों में बैठे हुए हैं, द्वार में जहाँ उसने अपना नाम रखा है: मसीह यीशु।

264 तुम्हारे बीच में कोई खमीर नहीं है, जो तुम्हारे बीच में परमेश्वरत्व की देह की सारी सम्पूर्णता को लाता है। लूथर के युग में इसे नहीं कर सकता था, वेसली के युग में नहीं कर सकता था, पेंटीकोस्टल युग में नहीं कर सकता था; लेकीन उस दिन जब मनुष्य का पुत्र जाहिर होगा, प्रकट होगा, कलीसिया को एक साथ वापस लेकर आयेगा उसके लोगो के बीच सम्पूर्ण परमेश्वर की दैविकता के साथ, उन्ही प्रकट चिन्हों को दिखाते हुए, खुद को प्रकटीकरण में लाते हुए जैसे उसने आरंभ में किया, जब वह धरती पर भविष्यवक्ता–परमेश्वर के रूप में प्रगट हुआ था। ओह! महिमा हो! मलाकी चार के द्वारा प्रतिज्ञा की गई, बाकी के वचनों के द्वारा प्रतिज्ञा की गई। आप कहाँ पर आराधना करते हैं? परमेश्वर के घर, बैठे हुए है (वर्तमान काल में)।

265 अब, जल्दी से, आइये हम बस जल्दी से जल्दी देखें, और हम फिर इसमें जायेगे... दस मिनट में हम ख़त्म कर देंगे, प्रभु चाहेगा तो।

266 आइए हम कुछ बात को देखें जो उनके युग में, परमेश्वर के इस भवन के अंदर, जिलायी गयी।

267 हनोक! (दस मिनट में हम चले जायेगे, यदि आप कुछ देर और सहन करें।) देखिये, हनोक उसके युग का, परमेश्वर का जीवित वचन था, वो एक नबी था।

268 एक भविष्यवक्ता परमेश्वर का प्रतिबिंब करने वाला होता है। कितने लोग ये जानते है? वो—वो प्रतिबिंब करने वाला स्वयं को प्रतिबिंब नहीं करता, वो—वो प्रतिबिंब करने वाला, प्रतिबिंब नहीं है। वहां किसी चीज़ को प्रतिबिंब करने वाले से—प्रतिबिंब करने वाले से टकराना होगा ताकि इसे प्रतिबिंब करने को लगाये। इसी प्रकार से भविष्यवक्ता परमेश्वर का चुना हुआ पात्र होता है जो बिल्कुल ही कुछ भी प्रतिबिंब नहीं कर सकता है लेकीन वो परमेश्वर के प्रतिबिंब की सीधी पंक्ति में होता है, कि मसीह, उस वचन के स्वरूप को प्रतिबिंब करें। देखो, इसे और कुछ नहीं कर सकता। आप एक प्रतिबिंब करने वाले है, यही वो कारण है कि भविष्यवक्ता को किताब को खाना होता था। यही कारण है कि उसे हस्तलेख को खाना होता था। उसे उस वचन को उस युग के लिए प्रतिबिंब करना होता था। आपने इसे पकड़ा?

269 ध्यान दें हनोक, छाया में परमेश्वर का सिद्ध प्रतिबिंब करने वाला था। जब परमेश्वर उसके द्वारा—द्वारा साथ था, उसने बस उसका रुपान्तरण किया, उसे ऊपर उठा लिया। वह यांत्रिकी जिसे उसने प्रतिबिंब किया आत्मा से गतिकी बन गयी और उसे ऊपर उठा लिया।

270 वैसा ही एलिय्याह के दिनों में हुआ। एलिय्याह, यहाँ तक उसकी हड्डियों में भी, जहाँ वह प्रतिबिंब... उसकी देह में परमेश्वर का प्रतिबिंब करने वाला परमेश्वर का वचन जाहिर हुआ। उन्होंने उस पर मरे हुए मनुष्य को रखा, उसने फिर से जीवन के लिए चिंगारी लगाई। हम उसके मांस और हड्डी है, जब तक हम मसीह की दुल्हन है। क्या आप इसका विश्वास करते है? तो ठीक है। वो हमारे लिए मरा, और हम स्वयं के लिए मर गए और उसके नाम में गाडे गए, जिससे कि हम "अब और संसार के नहीं रहे, लेकीन उसमें," हो, जो स्वर्ग में दोनों परिवार का नाम यीशु मसीह के नाम पर रखा गया है। यही इफिसियों 1:21 है। क्योंकि दोनों स्वर्ग... स्वर्ग का परिवार। स्वर्ग के परिवार का क्या नाम है? यीशु। धरती के परिवार का क्या नाम है? तो, यही परमेश्वर का घर है जहाँ पर उसका लहू है। क्या यह सही है? यही द्वार है, यही फाटक है, यही स्थान है, उसने अपने नाम को रखा, और वचन

देहधारी हुआ था और हमारे बीच में डेरा किया। ये वो वचन प्रतिबिंब हो रहा है और इस युग का चिंगारी लगा रहा है जिसमे आप रह रहे है। यही है जो वो था, यही है जो मूसा था, यही है जो याकूब था, यही है जो वे बाकी के सारे थे, परमेश्वर के वचन को चिंगारी लगाते हुए, वो प्रतिबिंब करने वाला जिसमें से परमेश्वर स्वयं को प्रतिबिंब कर रहा था। और परमेश्वर के उस सिद्ध स्वरूप में आया, यीशु मसीह, परमेश्वर की सर्वोत्तम रचना, उस पर प्रहार किया गया जिससे कि, उन बाकी को दुल्हन के लिए ले सके, जो उसको प्रतिबिंब कर रहे थे।

271 मूसा उनमें था। यहोशू उसमें था। और यदि आप उसमें है, जगत की नीव डालने से पहले आप उसमें थे, परमेश्वर का परिवार; आपने उसके साथ दु:ख उठाया, आप उसके संग मर गए, आप उसके संग क्रूस पर गए, आप उसके संग जी उठे; और अब भी आप उसके संग है, स्वर्गीय स्थानों में बैठे है, संसार को इस युग के संदेश को प्रतिबिंब कर रहे हैं, संसार का उजियाला। "तुम जगत की ज्योति हो," लेकीन यदि इसे सम्प्रदायक पैमाने की टोकरी के द्वारा छिपा दिए जाये, तो भला वे इसे कैसे देखेगे? क्योंकि आपके रीति–रीवाज उजियाले को बेअसर बना देते है! कोशिश करने के द्वारा... आपके संप्रदाय, उजियाले को कलीसिया से दूर रखने की कोशिश करते है; आप अंदर नहीं जाते है, ना ही उन्हें जाने देंगे। आमीन।

272 आइये हम थोड़ा रुकें। ओह, यहाँ मेरे पास बहुत कुछ है। हम—हम और आगे जा सकते है... ओह, प्रभु! हमारे पास पांच मिनट है।

273 आपने देखा कि द्वार कौन है? परमेश्वर ने अपना नाम कहाँ पर रखा है? यीशु में। आप कैसे उसके नाम में आते हैं? आप उसके अंदर कैसे आते है? उसमें बपतिस्मा लेने के द्वारा! कैसे? क्या पानी के द्वारा? आत्मा के द्वारा! "एक प्रभु, एक विश्वास, एक बपतिस्मा।" यही पवित्र आत्मा का बपतिस्मा है।

274 जल का बपतिस्मा केवल आपको लोगों की संगति में रखता है, जिससे कि आप पहचाने जाए कि आपने मसीह को स्वीकार किया है। यही सत्य है। लेकिन यह आत्मा का बपतिस्मा है।। मैं आप के ऊपर यीशु के नाम को ले सकता हूँ और आपको बपतिस्मा दे सकता हूँ, ये इसे वैसा नहीं बनाता है।

275 लेकीन एक बार जब पवित्र आत्मा वास्तव में... मूल वचन आपके अंदर आता है (यीशु वचन), तब, भाई, संदेश आपके लिए कोई रहस्य नहीं होता है; भाई, आप ये जानते हैं, यह पूरी तरह से आपके सामने प्रकाशित हो जाता है। हाल्लेलुय्या! परमेश्वर की स्तुति हो! आमीन!

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं उससे प्रेम करता हूँ
क्योंकि पहले उसने मुझसे प्रेम किया,
और खरीद लिया मेरे उद्धा–...

प्रिय परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूँ कि आप इन लोगों को चंगा करेंगे, प्रभु, और हर एक को चंगा करेंगे। यीशु मसीह के नाम में। आमीन

276 ओह! प्रेम! ओह!

तब से, विश्वास के द्वारा उस धारा कों देखा
जो तेरे घावों से बहते हुए आपूर्ति की, (उस सर्वोत्तम रचना से)
छुड़ाने वाला प्रेम मेरा विषय रहा है,

277 आप कैसे कर सकते हैं... परमेश्वर प्रेम है। "वह जो प्रेम करता है वो परमेश्वर से है," दैविक, पवित्र प्रेम, ना ही गंदा प्रेम; साफ़, शुद्ध, पवित्र प्रेम, परमेश्वर का प्रेम वचन। "तेरी व्यवस्था को मैंने अपने हृदय में छुपा रखा है, ताकि मैं तेरे विरूद्ध पाप ना करूँ," ओह, दाऊद चिल्ला उठा। क्या वो अद्भुत नहीं है? क्या आप उससे प्रेम नहीं करते?

278 अब, वहां एक मार्ग है, शुद्ध, पवित्र मार्ग, केवल एक मिलने का स्थान जहाँ परमेश्वर आपसे भेंट करेगा। इसलिए नहीं क्योंकि आप कहते हैं, "परमेश्वर, अब, मैं अच्छा मैथोडिस्ट हूँ। मैं एक अच्छा बैपटिस्ट हूँ। मैं एक अच्छा पेंटीकोस्टल हूं।" नहीं! क्योंकि आप यीशु, उस वचन में है, वचन का भाग जो आज के लिए जाहिर हो रहे है, *इस* दिन का संदेश; ना ही लूथर का, वेस्ली का, पेंटीकोस्टल का; लेकीन आपका यीशु, वो प्रतिबिंब, जो *इस* में आ गया है। आप *उस* में वापस नहीं जा सकते, यह आपकी पवित्र रोटी में खमीर मिलाना है, कि, "मनुष्य हर उस वचन से जीवित रहेगा जो परमेश्वर के मुख से निकलता है, उसके समय में।"

279 हे प्रभु, यीशु आ, महान चोटी के पत्थर। देखिए उस ओर रखा है, उन लूथरन लोगो की धूल, जो वहां पीछे यातना के नीचे मर गए; उन मैथोडिस्टो की ओर देखें।

280 वे पेंटीकोस्टल और इत्यादि, अब ऊपर आ रहे हैं, वो वास्तविक तनाव जो बाहर आता है।

281 तुम असेंबली ऑफ गॉड जाकर और संस्थागत हो गए, जबकि उसी बात से परमेश्वर तुम्हें बाहर निकाल कर लाया था, तुम सीधे वापस चले गए जैसे सूअर उसके कीचड़ की ओर जाता है।

282 तुम जो वन्नेस, यूनाइटेड, पुराने जे. सी. के... पेंटीकोस्टल असेंबलीस ऑफ जीजस क्राइस्ट हो। एक जो अश्वेत होने के लिए अलग हो गए और अलगाव के कारण स्वयं को अलग कर दिया। तुमने ऐसा किया और उसके बाद मिल गए और अपने आप में एकजुट हो गए इसे "यूनाइटेड" यानी एकजुट कहा। फिर संस्थागत हो गए, और सभाओ में वाद–विवाद करते हो: "जैसे एक कुत्ता उल्टी की ओर मुड़ता है।" यदि उल्टी पहली बार कुत्ते को बीमार करती है, तो क्या ये उसे फिर से बीमार नहीं करेगी? अपनी भोजन को बदले, संप्रदाय से वचन पर आ जाये, और मसीह के साथ जीये। तुम पर शर्म आती है!

वहाँ पर उस ओर मेरा एक पिता है,
वहाँ पर उस ओर मेरा एक पिता है,
वहाँ पर उस ओर मेरा एक पिता है,
उस दूसरे किनारे पर।

किसी प्रकाशमान दिन मैं जाकर और उसे देखूंगा,
किसी प्रकाशमान दिन... जाकर और उसे देखूंगा,
किसी प्रकाशमान दिन मैं जाकर और उसे देखूंगा,
उस दूसरे किनारे पर।

ओह, क्या यह एक आनंद की भेंट न होगी,
क्या यह... (वचन, वचन के पास जाता है!) भेंट,
(जब दुल्हन ऊपर जाती है, वचन दर वचन।)... आनंद
की भेंट,
उस दूसरे किनारे पर।

ओह, वो प्रकाशमान दिन, हो सकता है कल हो,
वो प्रकाशमान दिन, हो सकता है कल हो,
वो प्रकाशमान दिन, हो सकता है कल हो,
उस दूसरे किनारे पर,

283 आप कहते है, "आपका अर्थ ये है, भाई ब्रन्हम? "

284 जी हाँ, श्रीमान! जब उस युग के लूथरन, उनके युग के वेस्ली, उनके युग के पेंटीकोस्टल (वे जो सच्चे थे ना कि संप्रदाय के लोग); पेंटीकोस्टलस, वे जिन्होंने खमीर को मिलाया (उनके संप्रदाय को), वे मर गए। लेकीन ये सच्चा वचन आगे बढ़ता गया, देखा। बिल्कुल जैसा कि यीशु ने कहा, "उस दिन तुम जानोगे कि मैं पिता में हूं और पिता मुझ में है, और मैं तुम में हूँ और तुम मुझ में।" ये सारा वचन है!

ओह, क्या यह आनन्द की भेंट ना होगी... (जब उसके
पुत्र उसके फाटक पर एकत्र होंगे)
... आनंद की भेंट।
क्या यह आनंद की भेंट न होगी,
उस दूसरे किनारे पर।

285 अब, कलीसिया हम अब शिक्षा दे रहे है। लेकीन याद रखे, जब आप यहां से जाते हैं, और अब भूसी से बाहर निकलना आरंभ करे; आप उस दाने के अंदर प्रवेश कर रहे हैं, लेकिन पुत्र की उपस्थिति में बने रहे। ना ही उसमें जोड़े, जो मैने कहा है; ना ही उसमें से निकाले, जो मैने कहा है। क्योंकि, मैं सच्चाई को बोलता हूँ जहाँ तक मैं इसे जानता हूँ, जैसा पिता ने मुझे दिया है। समझे? इसमें ना ही जोड़े, बस वही कहें जो मैने कहा।

286 उसमें बात ये है बस लोगों को बताये कि आकर प्रभु यीशु को खोजें। और स्वयं को ठीक उसकी उपस्थिति में रखे, बस उससे प्रेम करें, "हे प्रभु यीशु, परमेश्वर के पुत्र, मैं आप से प्रेम करता हूँ। मेरे हृदय को कोमल करें, प्रभु। और सारी गंदगी और संसार के प्रेम को निकाल दीजिये, और मैं आपके सामने इस वर्तमान संसार में पवित्र जीवन को जीऊं।"

287 क्या हम अपने सिरों को प्रार्थना में झुकायेंगे। अब, आइये हम देखें, क्या आपने प्रार्थना से समाप्त करने के लिए किसी को चुना है? या तो फिर, मैं करूँगा। वास्तव में आदरपूर्ण रहे।

288 प्रिय परमेश्वर, हम आपको धन्यवाद देते हैं कि आपने हमें हमारा आत्मिक भोजन दिया। हम आपका धन्यवाद करते हैं, प्रभु वचन के विटामिन परमेश्वर के पुत्रो को बढ़ाते है। ये किसी और प्रकार के चरित्र पर असर नहीं करते, केवल परमेश्वर के पुत्र और कन्याओ पर। इसके लिए हम आपका धन्यवाद करते हैं। और हम प्रार्थना करते हैं, परमेश्वर, कि हमें इसके साथ लाभ होगा, जिससे हम केवल आपका धन्यवाद ही नहीं देंगे। हम इसके लिए आपका धन्यवाद करते हैं, लेकिन होने पाए हम इसके लिए अपनी शक्ति का प्रयोग करने का यत्न करे (प्रेम के द्वारा) कि लोगों को अपने परमेश्वर पर विश्वास के लिए भरोसा दिलाये; भटके हुए, पापी, पुरुष, स्त्रियां, लड़के और लड़कीयों को, इस युग में।

289 प्रभु देखते हुए, कि मानसिक अवस्था और अशांत युग, जिसमें हम रह रहे है, ये उनके दिमाग को आपे से बाहर कर रहा है; बिल्कुल ठीक इस बात को पूरा करता है जो वचन ने कहा और प्रतिज्ञा की, बड़ी भयंकर चीजें धरती के ऊपर आयेगी; जैसे टिड्डीयां, उन स्त्रियों को तंग करने जिन्होंने उनके बाल को काटे हैं, उनके स्त्रियों जैसे लंबे बाल होंगे। और भिन्न–भिन्न भयंकर दृश्य, जिसे वे देख सकेंगे, प्रभु, उस मानसिक, भ्रमित अवस्था में वे हैं, और तब वे चट्टानों और पहाड़ों के लिए चिल्ला उठते है। जो महिलाएं कुत्तों और बिल्लियों को पालती हैं, और आपके आदर के लिए बच्चों की परवरिश नहीं करती हैं। जिन्हें आपने संतान दी है और उन्होंने उन्हें गर्भ धारण किया, वे उन्हें सड़कों पर छोड़ देते है जैसा वे चाहते हैं वैसा करने के लिए। कोई आश्चर्य नहीं आपने कहा, प्रभु, जब आप क्रूस पर जा रहे थे, "तब वे चट्टानों और पहाड़ों के लिए चिल्ला उठेगे कि उन पर गिर पड़े।"

290 हम हर दूसरी चीज़ को देख रहे हैं जो ठीक इस समय की ओर बढ़ रही है। हम देखते हैं कि वचन प्रमाणित और साबित हो रहा है। और प्रभु, बिल्कुल वैसा ही हम देखते हैं, आप अपनी खुद की आँखों से (प्रकटीकरण हो रहा है), किसी दिन रेपचर हो जायेगा और हम उस वचन के प्रगटीकरण को देखेंगे, "क्योंकि मनुष्य का पुत्र महिमा के बादलों पर आयेगा, उसके साथ, उसके पवित्र स्वर्गदूतों के साथ, और हम उससे मिलने को हवा में उठा लिये जायेगे।" तब ये होगा... अब हम इसे सुनते हैं, तब हम इसे अपनी खुद की आँखों से देखेंगे।

291 होने पाए प्रभु, हम अपने आपको उसमें पाये, एकमात्र दिया गया स्थान। और वो बलिदान है। हम उसे लाते हैं, जो हमने यीशु मसीह के विषय में सुना है, परमेश्वर के भवन में, पवित्र आत्मा के बपतिस्मे के द्वारा, यीशु मसीह के नाम में से होते हुए। और वहाँ हमारा बलिदान स्वीकार हुआ है और हम परिवार में लाए गए है; क्योंकि, अब भी संसार में बाहर भटक रहे हैं, हम जगत की नीव डालने से पहले परमेश्वर के पुत्र और पुत्रियां ठहराये गए थे। पिता, हम इसके लिए आपको धन्यवाद देते है। ओह, कोई कैसे भला कभी इस तरह की चीज से पीछे मुड सकता है, जब कि उन्होंने सत्य पा लिया, कि परमेश्वर ने उन्हें संसार में से चुन लिया था? वहां लाखो जन खो गए थे, वो दिन जिसमें मैं बचा लिया गया।

292 हे मरते हुए मेमने, मैं कैसे कभी आपका धन्यवाद दे सकता हूँ? मेरा हृदय कभी भी आपके सम्मुख भला किस तरह से इतना आदरपूर्वक हो सकता है? प्रिय परमेश्वर, मेरी सहायता करें कि सच्चा जीवन बिताऊं। मेरे लोगों की सहायता करें कि सच्चे जीवन को बिताये। मैं उनके लिये प्रार्थना करता हूँ, प्रभु, हर एक के लिये कि आप करेंगे, परमेश्वर, कैसे भी मैं नहीं... मैं नहीं जान पाऊंगा कि कैसे... मैं नहीं जानता कैसे, बस किस तरह से आपसे मांगू प्रभु; और हो सकता है कि मैं सही प्रकार से नहीं मांग रहा हूँ। लेकीन आप मेरी अज्ञानता को क्षमा करें, प्रभु, और बस मेरे हृदय की ओर देखे। मैं प्रार्थना करता हूँ कि उनमें से एक भी नष्ट नहीं होगा, उनमें से एक भी नहीं, पिता। मैं इनमें से प्रत्येक को आपके लिये दावा करता हूँ। यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

मैं उससे प्रेम करता हूँ, मैं...

और यदि आप उसे प्रेम करते हैं, तो आप एक दूसरे से प्रेम करें। एक दूसरे से हाथ मिलाये।

परमेश्वर का एकमात्र प्रदान किया गया आराधना का स्थान HIN65-1128M

(God's Only Provided Place Of Worship)

यह सन्देश हमारे भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 28 नवंबर, 1965 को, लाइफ़ टेबरनेकल, श्रेवेपोर्ट, लुईसियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका, में प्रचारित किया गया। जिसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोइस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बांटा गया है।

HINDI

©2021 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org